

दैनिक



प्रदेश के साथ पूरा देश...

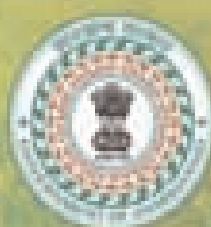
नव प्रदेश

रांची मंगलवार, 16 जून, 2026, ज्येष्ठ शुक्लपक्ष द्वितीया, विक्रम संवत्-2084

वर्ष-11 अंक-58 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपये

रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित

www.navpradesh.com



झारखण्ड कृषि व्यापार मेला 2026 उद्घाटन समारोह

**प्रवेश
निःशुल्क**
आप सभी
मेला में सादर
आमंत्रित हैं

दिनांक: 16 से 18 जून 2026

समय: पूर्वाह्न 10 बजे

स्थान: मोरहाबादी मैदान, रांची

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

अध्यक्षता

श्रीमती शिल्पी नेहा तिकी

माननीय मंत्री, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड

माननीय मंत्रीगण, माननीय सांसदगण, माननीय विधायकगण
एवं अन्य गणतन्त्र अतिथियों की गरिमायों उपस्थिति



अधिक जानकारी
के लिए स्कैन करें

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड

PR No. 382440 (Agriculture, Animal Husbandry And Co-operative Department) 2026-27

//-- सुविचार --//

इस दुनिया में कोई महान व्यक्ति नहीं है, केवल महान चुनौतियाँ हैं, जिनका सामना साधारण लोग करते हैं।

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 05:02

अस्त : 06:36

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	33.0	22.0
जमशेदपुर	35.0	25.0
हजारीबाग	33.0	22.0
डालटनगंज	37.0	28.0

संक्षिप्त खबरें

भारत-स्लोवाकिया ने संबंधों को दिया व्यापक साझेदारी का दर्जा, दोनों देशों के बीच 11 समझौते नई दिल्ली। भारत और स्लोवाकिया ने अपने संबंधों को व्यापक साझेदारी का दर्जा देने का फैसला किया है। दोनों देशों ने इसके अलावा आतंकवाद-विरोधी संयुक्त कार्य समूह और वाणिज्य दूतावास संवाद की स्थापना की भी घोषणा की है। दोनों देशों के बीच ब्रतिस्लावा में 11 समझौता ज्ञापन और आशय पत्रों पर हस्ताक्षर हुए हैं। दोनों देशों ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने वाला आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। कोसिसे तकनीकी विश्वविद्यालय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में आईसीसीआर की पहली चेयर की स्थापित की जाएगी। श्रम प्रवासन, पर्यटन, विज्ञान, डिजिटल प्रौद्योगिकी, उच्च शिक्षा और अनुसंधान, ऑडियो-विजुअल निर्माण, क्वांटम संचार और महत्वपूर्ण अवसरचना संरक्षण, प्राकृतिक चिकित्सा और आयुष, छात्र विनिमय कार्यक्रम व छात्रवृत्तियों और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने सोमवार को ब्रतिस्लावा में आमने-सामने और प्रतिनिधिमंडल स्तर के प्रारूपों में बातचीत की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और व्यापार एवं निवेश, रक्षा व सुरक्षा, टेक्नोलॉजी व इन्वेषेशन, अंतरिक्ष व परमाणु ऊर्जा, शिक्षा व संस्कृति और टैलेंट मोबिलिटी व लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते तलाशे। उन्होंने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किए। इन्हें संयुक्त राष्ट्र में सुधार का मुद्दा भी शामिल था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने अनुसार नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि ऐतिहासिक भारत-इंयू एफएनटी (मुक्त व्यापार समझौता) के लागू होने से व्यापार, मैन्युफैक्चरिंग, निवेश और रोजगार पैदा करने के बड़े अवसर खुलेंगे। एक अहम कदम के तौर पर दोनों नेता भारत-स्लोवाकिया संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर तक ले जाने पर सहमत हुए।

राज्यसभा चुनाव. 'खेला' की आशंका के बीच सक्रिय हुआ इंडिया गठबंधन, बैठक आज

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। झारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। 18 जून को होने वाले मतदान से पहले भाजपा समर्थित उम्मीदवार परिमल नाथवानी की विभिन्न नेताओं से मुलाकातों ने सियासी हलकों में चर्चाओं को जन्म दिया है। इसे लेकर कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) सतर्क हो गए हैं। संभावित क्रॉस वोटिंग या किसी तरह के 'खेला' की आशंका को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और इंडिया गठबंधन ने रणनीति तैयार की है।

सीएम आवास पर झामुमो विधायकों की बैठक आज

जानकारी के अनुसार, 16 जून को मुख्यमंत्री आवास में झामुमो के



सभी 34 विधायकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात के बाद झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के. राजू ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के सभी 56 विधायक पूरी तरह एकजुट हैं और गठबंधन के प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए समन्वय बनाए हुए हैं।

विधायकों को कल मिलेगा प्रशिक्षण
के. राजू ने बताया कि 17 जून को इंडिया गठबंधन के सभी 56 विधायक एक संयुक्त बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक में झामुमो, कांग्रेस तथा भाकपा (माले) के विधायक मौजूद रहेंगे। राज्यसभा चुनाव में मतदान की प्रक्रिया को लेकर विधायकों को मॉक पोल के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि मतदान के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी त्रुटि न हो।

दोनों सीटों पर गठबंधन की जीत का दावा
कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने दावा किया कि झारखंड की दोनों राज्यसभा सीटों पर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों की जीत होगी। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, सांसद डॉ. सैयद नसीर हुसैन, अजय शर्मा तथा गठबंधन समर्थित प्रत्याशी प्रणव झा भी मौजूद थे।

विधायकों से लगातार संपर्क में गठबंधन
सूत्रों के अनुसार, झामुमो और कांग्रेस नेतृत्व अपने-अपने विधायकों से व्यक्तिगत स्तर पर लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। साथ ही अन्य माध्यमों से भी संवाद स्थापित कर चुनावी रणनीति को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मंगलवार को कांकि रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास में कांग्रेस नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की, जिसमें राज्यसभा चुनाव की तैयारियों और गठबंधन की एकजुटता पर भी चर्चा हुई।

तेजस्वी से मिले बन्ना गुप्ता



रांची/पटना। कांग्रेस आलाकमान के निर्देश पर झारखंड के पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता सोमवार को राज्यसभा के कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा के साथ पटना पहुंचे और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव से मुलाकात की। राजनीतिक हलकों में इस बैठक को झारखंड राज्यसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, मुलाकात के दौरान झारखंड में होने वाले राज्यसभा चुनाव को लेकर रणनीति पर चर्चा हुई। विशेष रूप से झारखंड विधानसभा में राजद विधायक के समर्थन सहित विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल राज्यसभा चुनाव में अपने उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए लगातार सहयोगी दलों से संपर्क साध रहे हैं।

झारखंड कैबिनेट. राज्य सरकार ने 23 प्रस्तावों पर लगायी मुहर

10 लाख की मदद मिलेगी जंगली जानवरों के हमले में मौत पर

रांची। राज्य में जंगली जानवरों के हमले में मौत पर अब राज्य सरकार 10 लाख रुपये की सहायता राशि। पूर्व में यह राशि चार लाख रुपये थी। यह निर्णय सोमवार को कैबिनेट की बैठक में लिया गया। कैबिनेट में लिए गए फैसलों की जानकारी कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने दी। कैबिनेट की बैठक में कुल 23 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट सचिव ने बताया कि जंगली जानवरों के हमले में हुई मौत पर 10 लाख रुपये की सहायता राशि में से एक लाख रुपये तत्काल नकद के रूप में मुक्त के परिजनों को दी जाएगी, चार लाख रुपये का चेक के जरिए भुगतान और शेष पांच लाख रुपये मुक्त के आश्रित के नाम पर पांच वर्षों के लिए फिक्स कर दिया जाएगा। इसके अलावा मुक्त के आश्रित को मुआवजा राशि के अलावा दो हजार रुपये तीन वर्षों तक पेंशन के रूप में बैंक खाते के जरिए किया जाएगा। घायल होने पर डेढ़ लाख की जगह अब दो लाख रुपये, हल्के रूप से घायल होने पर 25 हजार की जगह अब 35 हजार रुपये मिलेंगे।

अपंगता की स्थिति में अब मिलेंगे 3.50 लाख रुपये
जंगली जानवरों के हमले में ग्रामीण के स्थायी रूप से अपंग होने पर 3.25 लाख की जगह अब 3.50 लाख रुपये दिए जाएंगे। वहीं मकान के पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त होने पर (आईएपी जिलों) 1.30 लाख की जगह अब दो लाख रुपये प्रति इकाई, गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त, मकान (पक्का और कच्चा नॉन आईएपी जिले) 1.20 लाख की जगह अब 1.30 रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा भंडारित अनाज के नुकसान पर पूर्व के 2600 प्रति क्विंटल की जगह अब 3600 रुपये प्रति

क्विंटल क्षतिपूर्ति की राशि के रूप में दी जाएगी। इसके अलावा ग्रामीणों के पशुओं भैंस, गाय और बैल की मौत पर पूर्व के 50 हजार की जगह अब 60 हजार रुपये, खुले में चरनेवाले पशुओं की मौत पर 25 हजार की जगह अब 30 हजार, बछड़े या बछिया की मौत पर आठ हजार की जगह अब 10 हजार रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा, मुर्गा और मुर्गी की मौत पर 100 रुपये और अधिकतम 10 हजार रुपये दिए जाएंगे। फसल की क्षति पर भूमिधर किसान की ओर से स्वयं फसल उपजाने के मामले में 32,500 रुपये प्रति हेक्टेयर की दर मुआवजा राशि दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि जंगली जानवरों से मृत्यु पर छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में भी 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाता है।

राज्यकर्मियों को अब मिल सकेगा अग्रिम वेतन
कैबिनेट में राज्य कर्मियों के लिए अग्रिम वेतन और क्रेडिट सुविधा शुरू करने का फैसला लिया गया। इसके तहत कर्मचारी 30 दिनों तक का अग्रिम वेतन ले सकेंगे। इस राशि का भुगतान 02 महीने से 60 महीने की अवधि में किया जा सकेगा। इसके लिए वित्तीय संस्थाओं का चयन किया जाएगा।

कैबिनेट के अन्य फैसले

- विभिन्न विभागों में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटों और डाटा एंट्री ऑपरेटों के वेतनमान में एकरूपता लाने का निर्णय लिया गया है। नई नियुक्तियां पे-लेवल-2 के तहत की जाएंगी।
- कैबिनेट ने सड़क चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्यों के लिए 162 करोड़ रुपये से अधिक की प्रशासनिक स्वीकृति दी है। वहीं पलामू की अमानत बराज योजना के लिए 947 करोड़ रुपये से अधिक की संशोधित लागत को मंजूरी दी गई।
- बोकारो के पर्वतपुर और सीतानाला कोल ब्लॉक के लिए जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड और गोड्डा के जीतपुर कोल ब्लॉक के लिए केरी माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड को खनन पट्टों की स्वीकृति दी गई। इसके अलावा झारनेट 2.0 परियोजना की अवधि वित्तीय वर्ष 2026-27 तक बढ़ा दी गई है। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से मोटरयान निरीक्षकों की नियुक्ति को मंजूरी दी गई। गोड्डा और बोकारो समाहरणालय में अनियमित रूप से नियुक्त कर्मियों की सेवा नियमित करने का फैसला भी लिया गया। इसके अलावा कैबिनेट ने रोहितसय राय को राज्य का महाधिवक्ता नियुक्त किए जाने की घटनांतर स्वीकृति दी। साथ ही वन विभाग के कार्यों के निष्पादन के लिए विभागीय और ठेकेदार आधारित हाइब्रिड मॉडल को भी मंजूरी दी गई।
- पथ प्रमंडल रांची अंतर्गत नामकुम से डोरंडा पथ 6.70 किमी के चार लेन में चौड़ीकरण और मजबूतीकरण 01 अरब 62 करोड़ 82 लाख रुपये की द्वितीय पुनरीक्षित राशि स्वीकृति दी गई।
- मुरारी भगत, सेवानिवृत्त अभियंता प्रमुख की ओर से सेवा काल में धारित उच्चतर प्रभारी पदों के विरुद्ध वेतन और अन्य लाभ देने का निर्णय लिया गया।
- झारखंड स्टे ट वाइड एरिया नेटवर्क (झारनेट 2.0) परियोजना की अवधि को वित्तीय वर्ष 2023-24 (एक जनवरी 2024) से वित्तीय वर्ष 2026-27 (31 जुलाई 2026 तक) के लिए विस्तारित करने और वित्तीय वर्ष 2026-27 (31 जुलाई 2026 तक) में 65.50 करोड़ व्यय की स्वीकृति दी गई।
- गोड्डा समाहरणालय और इससे संबंधित कार्यालयों में अनियमित रूप से नियुक्त 05 कर्मियों की सेवा नियमितकरण की स्वीकृति दी गई।
- बोकारो जिला के चन्दनकियारी अंचल के पर्वतपुर कोल ब्लॉक के मौजा-केन्दुलिया, डिबरदा, बिराजडीह, नावाडीह, तेलगड्डिया, देवग्राम, पर्वतपुर, तिलटांड, अमलाबाद, करमाटांड, नयावन, सिलफोर, फतेहपुर के 2174.52 एकड़ (880 हेक्टेयर) क्षेत्र में कोयला के खनन पट्टा की स्वीकृति दी गई।
- भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का झारखंड में प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण के क्रियाव्यवन पर रिपोर्ट को झारखंड विधानसभा के पटल पर आगामी सत्र में उपस्थान की स्वीकृति दी गई।
- बांध सुरक्षा अधिनियम-2021 के तहत झारखंड राज्य में वृहद एवं मध्यम सिंचाई योजनाओं के अंतर्गत विनिर्दिष्ट बांधों एवं उनके जलाशयों की स्थिति अवधारित करने के लिए विशेषज्ञों का स्वतंत्र पैनल के गठन की स्वीकृति दी गई।
- वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अन्तर्गत कार्यों के कार्याव्यवन के लिए हाईब्रिड मॉडल (विभागीय / पीस वेजेज एवं ठेकेदार पद्धति लागू किये जाने) को अंगीकृत करने की स्वीकृति दी गई।
- राज्य के विभिन्न विभागों की ओर से क्षतिपूरक वनरोपण के लिए वन विभाग को सरकारी और गैरमजकूरआ किस्म की भूमि के निःशुल्क स्थायी हस्तांतरण और इससे संबंधित सभी मामलों के निस्तार की शक्ति उपायुक्त को देने का निर्णय लिया गया।
- पूर्वी सिंहभूम जिलान्तर्गत हरियान, बारुनमूति, चडरीबुरु और गुड़ाबांघा एमराल्ड खनिज ब्लॉक के रकबा 24.47 वर्ग किमी को एमएमडीओ एक्ट - 1957 में आरक्षित करने के लिए केंद्र सरकार का अनुमोदन प्राप्त करने की स्वीकृति दी गई।
- गोड्डा जिला के सुन्दरहाड़ा अंचल अन्तर्गत जीतपुर कोल ब्लॉक के रकबा 497.10 हेक्टेयर क्षेत्र पर मेसर्स टेरी माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड को कोयला खनन पट्टा की स्वीकृति दी गई।
- उच्च न्यायालय, झारखण्ड की ओर से कंटेण्टर जीतपुर कोल ब्लॉक के रकबा 497.10 हेक्टेयर क्षेत्र पर मेसर्स टेरी माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड को कोयला खनन पट्टा की स्वीकृति दी गई।
- मध्य न्यायालय, झारखण्ड की ओर से कंटेण्टर जीतपुर कोल ब्लॉक के रकबा 497.10 हेक्टेयर क्षेत्र पर मेसर्स टेरी माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड को कोयला खनन पट्टा की स्वीकृति दी गई।

मुख्यमंत्री हेमंत ने किया नशा मुक्ति जागरूकता अभियान शुरु

रांची। झारखंड को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने एक व्यापक राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान का शुभारम्भ सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड मंत्रालय परिसर में किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जागरूकता प्रचार-प्रसार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न जिलों के लिए रवाना किया। यह अभियान मुख्य रूप से नशीले और प्रतिबंधित मादक पदार्थों के सेवन, उनकी अवैध तस्करी तथा उनसे होने वाले सामाजिक-आर्थिक दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने पर केंद्रित है। सरकार का उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं को नशे की लत से दूर रखते हुए उन्हें एक स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली की ओर प्रेरित करना है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नशा मानव जीवन पर गहरा और विनाशकारी प्रभाव डालता है। मादक पदार्थों का सेवन न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि उसकी आर्थिक स्थिति और सामाजिक संबंधों को भी कमजोर कर देता है। इसके दुष्परिणाम केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहते, बल्कि पूरा परिवार और समाज इससे प्रभावित होता है।

समाज की जागरूकता जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लगातार नशे के खिलाफ सख्त कदम उठा रही है और अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर रोक लगाने के लिए नियमित अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नशा मुक्ति के लक्ष्य को हासिल करने के लिए केवल प्रशासनिक प्रयास ही नहीं, बल्कि समाज की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने युवाओं को नशे से बचाने को राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल बताते हुए कहा कि यह समस्या राज्य के विकास और प्रगति के लिए एक गंभीर चुनौती है। इसी कारण व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, जिनके माध्यम से गांव-गांव और शहर-शहर तक संदेश पहुंचाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जनता से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें, ताकि एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण किया जा सके। इस अवसर पर स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, गृह विभाग की अपर सचिव सचिव वंदना दादेल, पुलिस महानिदेशक तदशा मिश्रा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

चढ़ावे का गबन दान राशि की गिनती की ड्यूटी से जुड़े हैं सभी आरोपी, पुख्ता सुबूत भी मिले इनके खिलाफ 8 करोड़ रुपये से अधिक का हेरफेर, पांच आरोपी गिरफ्तार, तीन करोड़ रुपये बरामद

अयोध्या। राम मंदिर की दान की राशि में हेरफेर कर करोड़ों रुपये के गबन के मामले में अब पांच मुख्य किरदार सामने आए हैं। ये सभी दान राशि की गिनती की ड्यूटी से जुड़े हैं। इनके खिलाफ पुख्ता सुबूत भी मिले हैं। अभी भी वह राज खोल रहे हैं। हालांकि हेरफेर के पीछे किसकी शह थी, क्या कोई बड़ा शख्स इसका साजिशकर्ता है? ये अभी भी राज बना हुआ है। सूत्रों के मुताबिक लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुण और रमार्शकर पकड़े गए हैं। अब तक हुई रिकवरी भी इन्हीं पांचों ने कराई है। चोरी कुबूल भी की है। इससे ये स्पष्ट हो गया है कि इनकी इसमें भूमिका है लेकिन इतने संवेदनशील जगह से रकम पार करते रहने और पकड़ा न जाना कई सवाल खड़े करता है।

जब वह पकड़े गए हैं तब तक करोड़ों की रकम इधर से उधर की जा चुकी है। ऐसे में अंदिशा है कि क्या इसके पीछे किसी बड़े शख्स की साजिश है। वह ट्रस्ट से जुड़ा या फिर किसी अन्य विभाग आदि से है। फिलहाल इसको लेकर कोई स्पष्टता नहीं है।

इसलिए तमाम तरह की चर्चाओं व कयास का दौर जारी है। ट्रस्ट से जुड़े जुड़े दो ऐसे लोग भी हैं, जिन पर कई सवाल उठ रहे हैं। उनकी कोई भूमिका है या नहीं, ये तभी पता चल सकेगा जब कोई एजेंसी या एसआईटी मामले की विस्तृत जांच करेगी।

टिन्टू का जिक्र सबसे अधिक
ट्रस्ट से जुड़े एक पदाधिकारी का ट्रस्ट करीबी है। वह दशकों से उनसे जुड़ा है। जिन पांच सदियों से पूछताछ की जा रही है, उसमें शामिल रमार्शकर का टिन्टू रिस्तेदार भी है। सूत्रों के मुताबिक टिन्टू का हस्तक्षेप हर किसी काम में रहता था। इसलिए उस पर सवाल उठ रहे हैं। उसको लेकर ट्रस्ट के एक पूर्व पदाधिकारी ने कैमरे सामने गंभीर आरोप लगाए थे।

पुलिस अधिकारी भी खामोश
पुलिस अधिकारी का कहना है कि मामले में कोई लिखित शिकायत तक नहीं मिली है। लिहाजा पूछताछ आदि का सवाल ही नहीं उठता है। पुलिस के बड़े अधिकारी भी खामोश हैं। हालांकि सूत्रों का कहना है कि पूछताछ से लेकर रिकवरी की प्रक्रिया में पुलिस की एक टीम लगी है।

अब तक 2.98 करोड़ की रिकवरी
राम मंदिर की दान राशि में गबन के मामले में अब तक 2.98 करोड़ रुपये की रिकवरी की जा चुकी है। यह रकम पकड़े गए सदियों की निशानदेही पर बरामद की गई है।

गुपचुप ढंग से चल रही जांच में आठ करोड़ रुपये से अधिक के हेरफेर के संकेत व साक्ष्य मिले हैं। हालांकि जांच पूरी होने के बाद यह राशि घट या बढ़ सकती है। मामले के खुलासे के बाद से ट्रस्ट गोपनीय जांच में जुटा है। लेकिन पदाधिकारी लगातार चुपकी साधे हैं। आधिकारिक तौर पर पुलिस को भी शामिल नहीं किया गया है। लेकिन करोड़ों का गबन की रिकवरी की जद्दोजहद में सभी जुटे हैं। पकड़े गए सदियों के अलावा और कौन-कौन लोग इसमें शामिल हैं इसका पता लगाया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक अभी तक गबन की राशि सही आंकड़ा सामने नहीं आया है, लेकिन सदियों से पूछताछ में मिली जानकारी व साक्ष्यों के आधार पर आठ करोड़ से अधिक के खेल का अंदाज़ा है। सदियों के घर व

रामभक्तों को नहीं है बोलने का अधिकार : पांडेय
सीतापुर में दो दिवसीय दौर पर पहुंचे खाद्य एवं रसद विभाग के मंत्री मनोज कुमार पांडेय ने खेड़ाबाद में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि राम मंदिर के चढ़ावा मामले में सवाल उठाने वाले पहले अपना इतिहास देख लें। उन्होंने रामभक्तों व कारसेवकों पर गोली चलावाई थी, उन्हें इस मामले में बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है।

3 सदस्यीय एसआईटी, 15 दिन में देगी रिपोर्ट
अयोध्या में श्रीराम मंदिर को मिले दान में गबन के तुल पकड़ने के बाद आखिरकार राज्य सरकार ने तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर दिया। एसआईटी में लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विंशर पंत, लखनऊ जोन की पुलिस महानिरीक्षक किरन एस और विशेष वित्त सचिव नीलरतन शामिल हैं। दल सात दिन में प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सरकार को सौंपी और 15 दिन में अंतिम रिपोर्ट देगा।

ठिकानों के साथ बैंक खाते भी खंगाले जा रहे हैं। इनमें अवनीश के खाते से पांच लाख रुपये मिले हैं। यह रकम उसने दान राशि से गायब की थी। जेवरात भी मिले हैं पुलिस ने शनिवार को रूदौली के मीनापुर ठकुरन फगौली गांव में मंदिर कर्मचारी लवकुश के घर छापा मारा गया। इस दौरान 10-12 लाख रुपये बरामद किए गए।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

अभिभावकों व बच्चों को जागरूक करने के लिए निर्देश

नवप्रदेश/गुमला। उपायुक्त गुमला दिलेश्वर महतो की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं आमजन तक समर्थबद्ध जांच पहुंचाने पर विशेष बल दिया गया। उपायुक्त ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे अपने प्रतिवेदनों में ऐसे बिंदुओं का स्पष्ट उल्लेख करें, जहां अन्य विभागों के सहयोग की आवश्यकता हो, ताकि समन्वित प्रयासों के माध्यम से योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। बैठक के दौरान



स्वास्थ्य विभाग से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई। सिविल सर्जन द्वारा अवगत कराया गया कि पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के आलोक में चिन्हित कमियों एवं रिकॉल बिंदुओं का निराकरण कर लिया गया है।

उपायुक्त ने सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम एवं लहस्र टीकाकरण अभियान को गंभीरता से लेते हुए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने तथा विद्यालय स्तर पर अभिभावकों एवं बच्चों को जागरूक करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में मोबाइल जांच एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां सिविल सर्जन अखिलंब आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जिले में लगभग 13 हजार बच्चों का आधार कार्ड निर्माण लंबित है। इस पर उपायुक्त ने विद्यालयवार सूची तैयार कर विशेष आधार पंजीकरण शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने कहा कि निमाणांधीन आंगनबाड़ी केंद्रों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जाए। पेयजल एवं स्वच्छता

विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान चिन्हित कोब्बा पंचायत में सुचारु पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही बिरुकैरा क्षेत्र में मानसून प्रारंभ होने से पूर्व हर हाल में पेयजल व्यवस्था पूर्ण करने का सख्त निर्देश दिया गया। नगर परिषद को शहरी क्षेत्रों में निर्बांध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा खराब जलापूर्ति संरचनाओं की मरम्मत करने को कहा गया। उपायुक्त ने अपने क्षेत्र भ्रमण के दौरान चिन्हित विभिन्न विभागों के अधूरे कार्यों की सूची संबंधित विभागों को उपलब्ध कराते हुए उनका शीघ्र निष्पादन

सुनिश्चित करने को कहा। इसके अतिरिक्त आईटीडीए, समाज कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, आपूर्ति, कृषि, उद्यान, पशुपालन, गव्य विकास, मत्स्य, जेएसएलपीएस, शिक्षा सहित विभिन्न विभागों की समीक्षा की गई। पंचायत भवनों के सौंदर्यीकरण, प्रखंड कार्यालय परिसरों की नियमित साफ-सफाई तथा कार्य संस्कृति में सुधार लाने पर भी जोर दिया गया। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि आपसी सहयोग एवं प्रभावी समन्वय के माध्यम से जिले की समग्र रैंकिंग में सुधार लाया जा सकता है।

राजस्व व भूमि मामलों के त्वरित निष्पादन पर डीसी का फोकस

विशेष शिविर लगाकर होगा लंबित मामलों का निपटारा, राजस्व संग्रहण बढ़ाने के लिए निर्देश

नवप्रदेश/बोकारो। जिले में राजस्व संग्रहण में सुधार और भूमि संबंधी लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी अजय नाथ झा ने सोमवार को समाहरणालय सभागार में समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न विभागों की राजस्व प्राप्ति, लंबित मामलों की स्थिति तथा भूमि एवं आधारभूत संरचना से जुड़े विषयों की विस्तार से समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने कहा कि राजस्व संग्रहण शासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। सभी विभाग निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करते हुए संग्रहण में वृद्धि सुनिश्चित करें तथा लंबित मामलों के



निष्पादन में तेजी लाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े भूमि मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटारा जाए, ताकि आम लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में वाणिज्य कर विभाग बोकारो एवं बेरमो, जिला खनन विभाग, उत्पाद विभाग, जिला परिवहन कार्यालय, मोटरयान

निष्पादन के लिए उपायुक्त ने अंचल स्तर पर विशेष शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व निर्धारित कैलेंडर तैयार कर दाखिल-खारिज, म्यूटेशन और अन्य लंबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में लंबित दाखिल-खारिज एवं म्यूटेशन अपील मामलों की समीक्षा करते हुए चास एवं बेरमो के डीसीएलआर को नियमित सुनवाई कर शीघ्र निपटारा करने का निर्देश दिया गया। साथ ही भू-हस्तांतरण, लीज बंदोबस्ती एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र से संबंधित मामलों की विभागावार समीक्षा भी की गई।

हर पात्र मतदाता का सत्यापन और पंजीकरण करना प्रशासन की प्राथमिकता : डीसी

नवप्रदेश/बोकारो। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में आगामी 30 जून से विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) अभियान शुरू किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन और समावेशी बनाते हुए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करना है। इस संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उपायुक्त ने बताया कि अभियान के तहत वर्ष 2024 की मतदाता सूची में दर्ज मतदाताओं की मैपिंग वर्ष 2003 की मतदाता सूची के साथ की जा रही है। इसके आधार पर मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा, ताकि सूची में किसी प्रकार की त्रुटि या विसंगति न रहे। अभियान के दौरान इलेक्टर्स मैपड, इलेक्टर्स अनमैपड और इलेक्टर्स विद एनोमलीज श्रेणी के सभी मतदाताओं को अनिवार्य रूप से एन्यूमरेशन फॉर्म भरना होगा। इसके साथ उन्हें अपना रगौन पासपोर्ट आकार का फोटो भी संलग्न करना होगा।मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिले के सभी पंचायतों एवं शहरी क्षेत्रों के प्रत्येक वार्ड में 20 जून से मतदाता सहायता एवं सुविधा केन्द्र



संचालित किए जाएंगे। इन केन्द्रों पर मतदाताओं को फॉर्म भरने, रगौन फोटो उपलब्ध कराने तथा आवश्यक दस्तावेज तैयार कराने में सहायता प्रदान की जाएगी। इन सहायता केन्द्रों पर जन्म प्रमाण पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र तथा विभिन्न आवास योजनाओं से संबंधित आवंटन प्रमाण पत्र के लिए भी आवेदन स्वीकार किए जाएंगे और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अभियान के सफल संचालन के लिए पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, अंचल कर्मचारी, जनसेवक सहित पंचायत एवं नगर निकायों के अन्य कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर विद्यालयों के शिक्षकों को भी बीएलओ एवं अन्य कर्मियों के सहयोग के लिए लगाया जाएगा। उपायुक्त ने विशेष रूप से निर्देश दिया है कि आदिवासी, वृद्ध, बीमार, दिव्यांग तथा अन्य कमजोर वर्ग के सभी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने की जिम्मेदारी संबंधित प्रखंड एवं अंचल अधिकारियों की होगी।

विकास की बाट जोह रहा है बोकारो: धर्मवीर

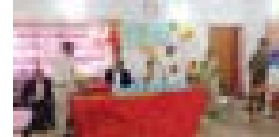


नवप्रदेश/बोकारो। राष्ट्र भक्त समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष एवं बोकारो के प्रमुख सामाजिक राजनैतिक कार्यकर्ता धर्मवीर सिंह ने कहा कि नेता आ रहें हैं और 12वर्षों का उल्लेख कर रहे हैं। अच्छी बात है। लेकिन कोई बोकारो के विकास एवं समग्र उत्थान के संदर्भ में कुछ भी नहीं बोलता। बोकारो के लोगों को विशेष रूप से युवाओं के मन में व्याप्त है कि बोकारो विकास की राह पर पिछड़ गया तथा इसका उत्थान नहीं हो पाया। धर्मवीर सिंह ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी मोदी जी के अभूतपूर्व शासन के 12वर्ष पुरे हुए। राष्ट्र भक्त समाज उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान करते हुए विनम्रतापूर्वक प्रूचना चाहता है कि इन 12 वर्षों में बोकारो के विकास के लिए क्या क्या हुआ। कौन कौन सी मूलभूत सुविधाओं एवं आधारभूत संरचनाओं का निर्माण हुआ। बोकारो इस्पात संयंत्र एवं

इसके कर्मचारियों के लिए,, ग्रामीण विस्थापित क्षेत्र की जनता के लिए, युवाओं, बेरोजगारों, एवं विद्यार्थियों के लिए तथा नागरिकों के समग्र विकास के लिए कौन कौन सी योजनाओं को धरातल पर उतारा गया। बोकारो के बुढ़ाओं एवं नागरिकों के ढेर सारे बहुप्रतीक्षित मांगों का निष्पादन कब होगा। बोकारो से हवाई उड़ान कब शुरू होगा? बोकारो से नई ट्रेने शुरू होगी या नहीं खेलकूद के नये मैदान/स्टेडियम का निर्माण होगा या नहीं नये कल कारखाने उद्योग बंधें लगेंगे या नहीं उच्च शिक्षण संस्थान मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेजों का निर्माण होगा या नहीं बोकारो इस्पात संयंत्र का विस्तारीकरण एवं मोर्डनाइजेशन कब होगा? कर्मचारियों के वषों से बकाया लाखों रुपए वेज रिवीजन परियर एवं अन्य सभी सुविधाओं का भूगतान होगा या नहीं?

90 दिवसीय जागरूकता अभियान नालसा एवं झालसा के निर्देश पर जिला के विभिन्न क्षेत्रों में चला

नवप्रदेश/गुमला। गुमला जिला के विभिन्न क्षेत्रों में पीएलवीयों द्वारा विश्व बुजुर्ग दुर्घटनावार जागरूकता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गुमला के द्वारा ओल्ड एज होम गुमला में बुजुर्गों के बीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मेडिकल कैंप का आयोजन भी किया गया जिसमें बुजुर्गों का चेकअप कर आवश्यकता अनुसार दवा का वितरण किया गया। प्रधान जिला जज एवं झालसा टीम द्वारा बुजुर्गों के बीच मिठाइयां एवं बिस्किट बांटा गया। इस अवसर पर बोलते हुए माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अजीत कुमार सिंह ने कहा कि विश्व बुजुर्ग दुर्घटिवहार जागरूकता दिवस एक वैश्विक स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम है। जिससे 15 जून को मनाया जाता है। आज के परिवेश में बच्चे बढ़े होने पर माता-पिता से दूरी बनाने लगते हैं जिससे परिवार में बिखराव आता है बुजुर्ग माता-पिता का छांव परिवार में बहुत ही महत्वपूर्ण है। भारतीय दादा-दादी छोटे बच्चों को भावनात्मक सुरक्षा प्रदान करते हैं जिसे माता-पिता अपने करियर और व्यक्तिगत लक्षण पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं जिससे परिवार का विकास होता है। वृद्ध व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय नीति और वरिष्ठ नागरिकों के लिए भरण पोषण और कल्याण अधिनियम की शुरुआत से वृद्धों को आर्थिक और भावनात्मक सुरक्षा सुनिश्चित होती है। हमारे सर्वोच्च न्यायालय ने श्री बुजुर्गों की हितों की रक्षा करने के पक्ष में प्रावधान बनाया है। विधिक सेवा प्राधिकरण गुमला आपकी सेवा में बराबर उपस्थित रहता है और आपको जब भी आवश्यकता पड़े आप विधिक सेवा प्राधिकर से सहायता ले सकते हैं।सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री राम कुमार लाल गुप्त ने कहा कि ओल्ड एज होम में बुजुर्ग लोगों के लिए सरकार ने सारा व्यदस्था अच्छे ढंग से किया है इसमें बुजुर्ग आराम से रहें और किसी प्रकार की कठिनाइयां होने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकर को सूचित कर उनसे सहायता ले सकते हैं।



बीएलओ की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, फिरोज आलम

नवप्रदेश/घाघरा (गुमला)। मतदाता सूची से संबंधित कार्यों की समीक्षा को लेकर घाघरा प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर निरीक्षण किया। इस दौरान कोटामाटी पंचायत भवन में मैपिंग का कार्य भी संपन्न हुआ। जानकारी के अनुसार घाघरा प्रखंड के हापा मूनी गांव स्थित बूथ संख्या 201 में बीएलओ राजमुनी देवी तथा हाहरी गांव स्थित बूथ संख्या 189 में बीएलओ गामिनी देवी के कार्यों की समीक्षा की गई। मौके पर मतदाता सूची के अद्यतन कार्य, नाम जोड़ने एवं संशोधन प्रक्रिया की जानकारी ली गई। बैठक एवं निरीक्षण कार्यक्रम में युवा कांग्रेस एवं कांग्रेस संगठन के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। इनमें बिशनपुर विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष दिलबहार अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष आदित्य भगत, सदर प्रखंड के अताउल्ला खान, जुला खाल्सा, सजीव उरांव, अमरजीत उरांव, इलहाय राय, दिलीप उरांव, शकील खान सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर घाघरा पश्चिमी मंडल प्रभारी फिरोज आलम ने कहा कि मतदाता सूची से संबंधित कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।



बालीडीह थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक नवीन कुमार सिंह सहित एक लाइन हाजिर

नवप्रदेश/बोकारो। मिली शिकारतों के बाद बोकारो के पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने बालीडीह थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह को लाइन हाजिर कर दिया है। इसके साथ ही बालीडीह थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर भागु उरांव को भी तत्काल प्रभाव से लाइन क्लोज किया गया है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। एसपी नाथू सिंह मीणा ने बताया कि थाना प्रभारी के खिलाफ लगातार विभिन्न शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। शिकारतों की गंभीरता को देखते हुए उन्हें थाना की जिम्मेदारी से हटाकर पुलिस लाइन भेजा गया है। उन्होंने कहा कि कार्रवाई का आदेश जारी कर दिया गया है। बालीडीह थाना में नए थाना प्रभारी की नियमित नियुक्ति तक वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। इस दौरान मुख्यालय डीएसपी को थाना की गतिविधियों और कामकाज की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था सुचारु रूप से बनी रहे। बालीडीह थाना से जुड़ा यह मामला कुछ दिन पहले एटी करप्शन ब्यूरो (अउड) की कार्रवाई के बाद चर्चा में आया था। थाना के एसएसआई को रिश्तत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद थाना की कार्यप्रणाली को लेकर कई सवाल उठ रहे थे। शिकायतकर्ता ने उनके साथ दुर्व्यवहार किए जाने का भी आरोप लगाया था। थाना प्रभारी और पुलिसकर्मी पर हुई कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में हलचल तेज हो गई है। एसपी की इस कार्रवाई को सख्त संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय 5 एस अधिवेशन में बीएसएल का जलवा, सभी 15 टीमों ने जीते पुरस्कार

नवप्रदेश/बोकारो। सेल-बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति और नवाचार क्षमता का परचम लहराया है। वाराणसी में 12 एवं 13 जून को क्वालिटी सर्किल फोरम ऑफ इंडिया (क्यूसीएफआई) द्वारा आयोजित 5एस के 12वें राष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन में बीएसएल की सभी 15 टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार हासिल किए। देशभर के उद्योगों एवं संस्थानों की भागीदारी वाले इस प्रतिष्ठित अधिवेशन में बीएसएल की टीमों ने गुणवत्ता सुधार, कार्यकुशलता वृद्धि, संसाधनों के प्रभावी उपयोग तथा संगठनात्मक उत्कृष्टता से जुड़े नवाचार आधारित प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। इन प्रोजेक्ट्स को निर्णायकों ने काफी सराहा। बीएसएल की आठ टीमों को सर्वोच्च श्रेणी का 'पार एक्सीलेंस अवार्ड', पांच टीमों को 'एक्सीलेंस अवार्ड' तथा दो टीमों को 'डिस्टिंगुइशड अवार्ड' प्रदान किया गया। पार एक्सीलेंस अवार्ड प्राप्त करने वाली टीमों में पावर इंजीनियरिंग ब्रिगेड विभाग की क्षिज्ञासा, ईटीएल विभाग की शक्ति, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग की क्षितिज और जच्चा, सीओ एंड सीसी विभाग की प्रगति, ड्रैम एवं परिवर्तन तथा टैफिक विभाग की सृजन ज्योति शामिल हैं। वहीं एक्सीलेंस अवार्ड से हॉट स्ट्रुप मिल विभाग की रेडियसन, कोल्ड रोलिंग मिल-3 की सक्षम एवं स्पार्क, डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क विभाग की ग्रीन पावर तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग की तेज टीम को सम्मानित किया गया। इसके अलावा, सीआरएम-1 एवं 2 की टीम सुविता तथा सीओ एंड सीसी विभाग की टीम उत्तमाल को डिस्ट्रिगुइशड अवार्ड से नवाजा गया। उल्लेखनीय है कि अधिवेशन के दौरान गुणवत्ता प्रबंधन, नवाचार और सतत सुधार की संस्कृति को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया।



नशा मुक्ति को जनआंदोलन बनाने की पहल, एलईडी प्रचार वाहन रवाना

डीसी, एसपी व डीडीसी ने दिखाई हरी झंडी

नवप्रदेश/बोकारो। निषिद्ध मादक पदार्थों की रोकथाम एवं नशा मुक्ति के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सोमवार को समाहरणालय परिसर से एलईडी प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा एवं उप विभागा आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने संयुक्त रूप से अभियान का शुभारंभ किया। जिला समाज कल्याण विभाग की ओर से गुब्बारे उड़ानकर नशा मुक्ति जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। कार्यक्रम के दौरान नुसकड़ नाटक एवं गीत-संगीत के माध्यम से लोगों को 'नशे को ना,



जिंदगी को हां' का संदेश दिया गया। इसके बाद उपायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों, आमजन, आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहायिकाओं एवं अन्य लोगों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। सभी ने स्वयं को, अपने परिवार और समाज को नशामुक्त बनाने तथा युवाओं को इस अभियान से जोड़ने का संकल्प लिया। उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि नशा केवल

व्यक्ति विशेष को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति को प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति और मजबूत संकल्प के बल पर नशे की लत से बाहर निकला जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने के लिए उसकी सप्लाय चैन को तोड़ना प्रशासन की प्राथमिकता है

और इसके लिए लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने कहा कि जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा निषिद्ध मादक पदार्थों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पंचायतों और प्रखंडों में जागरूकता कार्यक्रमों के साथ-साथ आवश्यक कार्रवाई भी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि समाज की सामूहिक भागीदारी से ही जिले को नशामुक्त बनाया जा सकता है तथा युवा पीढ़ी को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य प्रदान किया जा सकता है। 15 से 26 जून तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत एलईडी प्रचार वाहन जिले के विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों एवं शहरी क्षेत्रों में भ्रमण करेगा।

एक नजर

रायडीह के पतराटोली में परिवहन विभाग का सड़क सुरक्षा अभियान

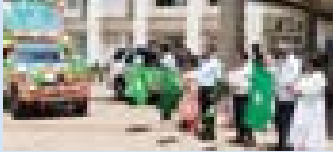
नवप्रदेश/गुमला। जिले में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिला परिवहन विभाग ने सोमवार को सख्त रुख अपनाया। जिला परिवहन पदाधिकारी सतेन्द्र महतो के निदेशानुसार, रायडीह क्षेत्र के पतराटोली में एक विशेष सड़क



सुरक्षा अभियान चलाया गया। इस दौरान यातायात नियमों की धक्कियां उड़ाने वाले वाहन चालकों पर कड़ी कार्रवाई की गई।इस अभियान का नेतृत्व मोटरयान निरीक्षक रॉबिन अजय सिंह एवं प्रदीप कुमार तिवर्ती ने किया एवं थाना प्रभारी" जॉन दल ने रायडीह थाना के पतराटोली पास चेकनाका लगाकर आने-जाने वाले वाहनों की सघन तलाशी ली। इस आीचक निरीक्षकों से नियम तोड़ने वाले चालकों में हड़कंप मच गया। विभाग द्वारा की गई इस कार्रवाई में कुल 2.25,000 (दो लाख पच्चीस हजार) रुपये का जुर्माना वसूला गया।परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि अभियान का प्राथमिक लक्ष्य सिर्फ जुर्माना वसूलना नहीं, बल्कि उन गलतियों को सुधारना था जो अक्सर जानलेवा दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले और 'ट्रिपल राइडिंग' (एक बाइक पर तीन सवारों) करने वाले युवाओं पर कार्रवाई की गई एवं ड्रिंक ड्राइव का भी चेक किया गया,ड्राइविंग लाइसेंस, इश्योरेस, परमिट, प्रदूषण प्रमाण पत्र और रोड टैक्स जैसे अनिवार्य कागजात नहीं होने पर चालान काटे गए।ध्वनि प्रदूषण: प्रेशर हॉर्न और मल्टी-टोन हॉर्न का उपयोग कर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर भी कार्रवाई हुई।मोटरयान निरीक्षक रॉबिन अजय सिंह, एवं प्रदीप कुमार तिवर्ती ने मौके पर पकड़े गए चालकों को व्यक्तिगत रूप से समझाया।

नशे के विरुद्ध जागरूक करने के उद्देश्य से उपायुक्त ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जागरूकता रथ,

नवप्रदेश/गुमला। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कलाकारों द्वारा नुसकड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति किया गया



जागरूक।गुमला,राज्य सरकार द्वारा दिनांक 10 जून 2026 से 25 जून 2026 तक प्रस्तावित राज्यव्यापी निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान के सफल संचालन हेतु आज जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, गुमला द्वारा जागरूकता रथ निकाली गई। इस जागरूकता रथ को उपायुक्त (गुमला), दिलेश्वर महतो ने समाहरणालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों, सुदूरवर्ती क्षेत्रों और पंचायतों में घूम-घूम कर लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक करने का काम करेगी।इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के द्वारा समाहरणालय परिसर में नुसकड़ नाटक का भी आयोजन किया गया। कलाकारों ने अपने जीवंत अभिनय के माध्यम से नशे से बर्दाद होते परिवारों और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले इसके घातक प्रभावों को बेहद सरल अंदाज में दर्शाया। उपायुक्त ने गुमला वासियों से अपील करते हुए कहा नशा न केवल एक व्यक्ति के शरीर को नष्ट करता है, बल्कि उसके सुनहरे भविष्य, परिवार और पूरे समाज को खोखला कर देता है। सरकार के इस 15 दिवसीय विशेष अभियान में आप सभी जिलेवासी अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

नाबालिग लड़की को भगाने के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, पीडीता बरामद

नवप्रदेश/बोकारो। मुफर्रिसल थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगाने के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही पुलिस ने पीड़िता को संकुशल बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार, दिनांक 12 जून 2026 को चास (महिला) थाना में वादी द्वारा आवेदन देकर आरोप लगाया गया था कि उसकी नाबालिग पुत्री को देवानंद कुमार बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। आवेदन के आधार पर चास (महिला) थाना कांड संख्या-60/26, दिनांक-12.06.2026, धारा 87/3(5) बीएनएस-2023 के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। मामले की जांच के दौरान सोमवार 15 जून 2026 को पुलिस ने प्राथमिकी अभिव्यक्त देवानंद कुमार, पिता-जनार्दन महतो, निवासी ग्राम लच्छीखरेया, थाना-गोपालपुर, जिला-गोपालगंज (बिहार) को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। वहीं पुलिस ने मामले की पीड़िता की भी बरामद कर लिया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी पुअनि प्रकाश मंडल, पुअनि राशीर रंजन एवं चास (महिला) थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।



सोशल मीडिया पर उठी बुजुर्ग आदिवासी दंपती की व्यथा, डीसी ने लिया त्वरित संज्ञान
नवप्रदेश/बोकारो। सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक बुजुर्ग आदिवासी दंपती की मार्मिक व्यथा ने जिला प्रशासन को तत्काल कार्रवाई के लिए प्रेरित किया। मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए बोकारो के उपायुक्त (डीसी) श्री अजय नाथ झा के निर्देश पर जरीडीह प्रखंड अंतर्गत टाड़बालीडीह पंचायत के गितिलटांड गांव निवासी बुजुर्ग दंपती प्रभा मांझी एवं उनकी पत्नी चंपा देवी की सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृत कर दी गई। जानकारी के अनुसार, निःसंतान प्रभा मांझी और चंपा देवी लंबे समय से सामाजिक सुरक्षा पेंशन का लाभ पाने की प्रतीक्षा कर रहे थे। आर्थिक अभाव और बढ़ती उम्र के बीच उनकी पीड़ा को किसी सामाजिक कार्यकर्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स () पर साझा करते हुए प्रशासन से मदद की दृष्टार लगाई थी। मामले की जानकारी मिलते ही उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने त्वरित संज्ञान लेते हुए जरीडीह प्रखंड के प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। उपायुक्त के निर्देश के बाद प्रखंड प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए मामले की जांच पूरी की और आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा कर कुछ ही घंटों के भीतर दोनों बुजुर्गों की पेंशन स्वीकृत कर दी। पेंशन स्वीकृत होने की सूचना मिलते ही लंबे समय से सरकारी सहायता की आस लगाए बैठे दंपती के चेहरे पर राहत और संतोष की मुस्कान लौट आई। ग्रामीणों ने भी प्रशासन की इस त्वरित एवं संवेदनशील पहल की सराहना की।

आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ द्वारा सेवानिवृत्त सेविका सहायिकाओं को दी गई भावभीनी विदाई

नवप्रदेश/घाघरा। घाघरा प्रखंड में आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के तत्वावधान में सोमवार को सेवानिवृत्त सेविका एवं सहायिकाओं के सम्मान में भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वर्षों तक बाल विकास एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली सेविका-सहायिकाओं को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। समारोह में सेवानिवृत्त होने वाली बालनमनी देवी, राधा देवी, बंसती देवी, सुकरीत हिरामुनी एवं बुधमनी हिरामुनी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित सेविका-सहायिकाओं ने उनके लंबे सेवा काल की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सेवानिवृत्त सेविका एवं सहायिकाओं ने अपने कार्यकाल के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं के स्वास्थ्य, पोषण एवं शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके कार्य एवं अनुभव आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। कार्यक्रम में नोरबेरा एक्कम, सावित्री कुजूर, उर्मिला देवी, विनिता पन्ना, सुरजी बेरका, अनिता एवं सुचित सहित बड़ी संख्या में सेविका एवं सहायिकाएं उपस्थित थीं। सभी ने सेवानिवृत्त कर्मियों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह का माहौल भावुक रहा। विदाई के दौरान उपस्थित सेविका-सहायिकाओं ने आपने अनुभव साझा किए तथा सेवानिवृत्त साथियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके योगदान को याद किया।

ट्रक के चपेट में आने से एक की मौत

- तेज रफ्तार ट्रक ने एक टाटा मैजिक वैन को टक्कर मार दी
- चालक कालीपद गोप गंभीर रूप से घायल

नवप्रदेश/चाड़िल। सरायकेला-खरसावां जिले के चाड़िल थाना क्षेत्र अंतर्गत टाटा-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने एनएचएआई के प्रति नाराजगी जताई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रांची की ओर से जमशेदपुर जा रहा एक ट्रक चिलगु मोड़ के समीप अचानक अनियंत्रित हो गया। तेज रफ्तार ट्रक ने सबसे



पहले एक टाटा मैजिक वैन को टक्कर मार दी। इसके बाद सड़क किनारे खड़े एक व्यक्ति को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में चिलगु निवासी जितेन दास की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं टाटा मैजिक के

चालक कालीपद गोप गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अलावा चाकुलिया निवासी एक व्यक्ति को भी मामूली चोटें आई हैं। बताया गया कि वह मोटरसाइकिल से सड़क पार कर रहा था, तभी ट्रक की चपेट में आ

गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। लोगों का कहना है कि चिलगु में पिछले एक वर्ष से अधिक समय

से फोरलेन सड़क को सिंगल लेन कर संचालित किया जा रहा है। यहां एक पुल के जर्जर होने के कारण नए पुल का निर्माण कार्य चल रहा है, जिसके चलते मार्ग को वन-वे कर दिया गया है तथा चिलगु मोड़ पर बैरिकेडिंग की गई है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था और निर्माण कार्य की धीमी गति के कारण दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना हुआ है।

घटना की जानकारी मिलते ही आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो अपने समर्थकों के साथ घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की तथा तत्काल आर्थिक

सहायता प्रदान की। साथ ही भविष्य में भी हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

हरेलाल महतो ने जिला प्रशासन और एनएचएआई से पुल निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग करते हुए कहा कि जल्द से जल्द फोरलेन पर सामान्य यातायात बहाल किया जाए, ताकि इस तरह की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

इधर, सूचना मिलते ही चाड़िल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

गिरिडीह परिसदन में जनता दरबार का आयोजन

नवप्रदेश/गिरिडीह। गाडेय विधायक कल्पना सोरेन ने आज गिरिडीह परिसदन में आयोजित जनता दरबार में क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे लोगों से मुलाकत की। इस दौरान उन्होंने आमजन की समस्याओं, शिकायतों और सुझावों को गंभीरता से सुना। लोगों ने सड़क, बिजली, पेयजल, पेंशन सहित कई जनहित से जुड़े मुद्दे उनके समक्ष रखे। विधायक ने संबंधित मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने की बात कही। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है और हर संभव सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा। जनता दरबार में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे और अपनी बात सीधे विधायक के समक्ष रखी। मौके पर डीसी रामनिवास यादव, एसपी डॉक्टर विमल कुमार, 20सूत्री उपाध्यक्ष संजय सिंह समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन दुमका की एक अति आवश्यक बैठक संपन्न

नवप्रदेश/दुमका। अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन दुमका की एक अति आवश्यक बैठक वरिष्ठ सदस्य श्री मनोरंजन घोष के आवास सोनवा डांगल स्टेशन रोड पर हुई जिसमें महिला प्रकोष्ठ बनाने का भी निर्णय लिया गया एवं साथ में सांस्कृतिक प्रकोष्ठ का भी बनाने का निर्णय लिया गया बैठक में महिलाओं की संख्या भी अधिक रही बैठक में जिसमें संगठन को और मजबूत कैसे बनाया जाए इस पर सभी सदस्यों ने अपनी अपनी राय व्यक्त की एवं संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया संगठन का अपना खुद का एंबुलेंस सेवा हो ऑक्सीजन सिलेंडर हो इस पर निर्णय लिया गया संगठन को बीच-बीच में ब्लड डोनेशन कैंप लगाकर जरूरतमंद को ब्लड उपलब्ध कराने का भी निर्णय लिया गया बैठक में निम्न सदस्यों में हिस्सा लिया जिसमे संरक्षक अजय कुमार दास संजीव कुमार दास अधिवक्ता अध्यक्ष डॉ मनोज कुमार घोष महासचिव उत्तम कुमार दास गुड्डू कोषाध्यक्ष गोपाल चन्द्र सिंहा उज्ज्वल कुमार दत्ता ध्रुव कुमार घोष मनोज कुमार दत्ता धनंजय कुमार दास प्रतुल रंजन दास धनंजय कुमार दास दीपक कुमार दास आलोक कुमार दास कृष्ण कुमार दत्ता मनोज कुमार घोष पवन घोष सोरभ घोष शिव शंकर सिंहा ध्रुव कुमार घोष प्रवीन रंजन दास कोनिका सिन्हा अंजलि घोष संगीता घोष आदि सदस्यों ने हिस्सा लिया

बेंगाबाद प्रखंड अंतर्गत छोटकी खरगडीहा में नशा मुक्ति को लेकर निकाली गई जागरूकता प्रभात फेरी

नवप्रदेश/गिरिडीह। बेंगाबाद प्रखंड अंतर्गत उत्कर्मित प्लस 2 उच्च विद्यालय, छोटकी खरगडीहा के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा मादक पदार्थों के सेवन के खिलाफ जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रभात फेरी निकाली गई। इस दौरान विद्यार्थियों ने हाथों में जागरूकता संबधी तस्ठितया लेकर गांव एवं आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण किया और लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। प्रभात फेरी में शामिल छात्र-छात्राओं ने हूनशे को ना, जिंदगी को हँह, हूनशा छोड़ो, जीवन संरवाह और हूनवथ युवा, स्वस्थ समाजह जैसे नारों के माध्यम से लोगों को संदेश दिया। विद्यार्थियों ने बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। इसलिए युवाओं को इससे दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद और सकारात्मक कार्यों में अपना योगदान देना चाहिए। विद्यालय के शिक्षकों ने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है, जिससे युवाओं का भविष्य प्रभावित होता है। इसके खिलाफ जन-जागरूकता अभियान चलाना समय की आवश्यकता है। प्रभात फेरी के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना की और नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने का संकल्प लिया। विद्यालय परिवार ने कहा कि भविष्य में भी इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि समाज में नशे के प्रति जागरूकता बढ़े और युवा पीढ़ी को इसके दुष्प्रभावों से बचाया जा सके। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नियमों को ताक पर रखकर संचालित हो रही शिकारीपाड़ा की पत्थर खदान सुरक्षा मानकों की अनदेखी से हादसे की आशंका

नवप्रदेश/दुमका। दुमका जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मंझलाडीह में दीपक कुमार सिंह और जोसा किस्कू के नाम से संचालित एक पत्थर खदान में इन दिनों नियमों की धज्जियां उड़ाकर धड़ल्ले से काम किया जा रहा है। इस खदान में सुरक्षा और पर्यावरण मानकों को पूरी तरह ताक पर रख दिया गया है, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। धरातल पर देखा जाए तो खदान के चारों ओर सुरक्षा के लिहाज से कोई घेराबंदी (फेसिंग) नहीं की गई है, जिसके कारण स्थानीय मवेशियों और राहगीरों के गहरे गड्ढों में गिरने का खतरा हमेशा बना रहता है। इसके साथ ही, पर्यावरण संरक्षण को लेकर दिए गए एनजीटी के



निर्देशों की अनदेखी करते हुए खदान क्षेत्र में कहीं भी पौधा रोपण नहीं किया गया है, जिससे इलाके में प्रदूषण का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। सबसे गंभीर स्थिति खदान में काम करने वाले मजदूरों की है, जो बिना किसी सुरक्षा उपकरण (जैसे हेलमेट, बूट या बेल्ट) के अपनी जान जोखिम में डालकर

रोजाना काम करने को मजबूर हैं। खदान प्रबंधन की इस लापरवाही के कारण मजदूरों के साथ कभी भी कोई अप्रिय घटना या जानलेवा दुर्घटना घट सकती है। नियमों का उल्लंघन नहीं नहीं थमता, बल्कि खदान से पत्थरों के परिवहन में भी भारी मनमाना की जा रही है। खदान से जितने मात्रा में खनन

करना है उससे अधिक मात्रा में खनन किया जा रहा है परिवहन नियमों को दरकिनार कर हाईवा वाहनों में क्षमता से अधिक भारी-भरकम बोल्डर लादकर खदान से बाहर निकाला जा रहा है। ओवरलोडेड वाहनों के परिचालन से न सिर्फ सड़कें समय से पहले जर्जर हो रही हैं, बल्कि मुख्य मार्गों पर चलने वाले अन्य वाहनों की जान पर भी हर वक्त खतरा मंडराता रहता है। स्थानीय प्रशासन की चुप्पी के कारण खदान संचालकों के हासिले बुलंद हैं और वे सरेआम नियमों का माखोल उड़ा रहे हैं। इस संबंध में जब जिला खनन पदाधिकारी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि इसकी जांच की जाएगी।

नीट यूजी-2026 परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर उपायुक्त ने की ब्रीफिंग



जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा के दौरान राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उपायुक्त ने कहा कि परीक्षा की पवित्रता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार की अनियमितता, कदाचार अथवा परीक्षा प्रक्रिया को प्रभावित करने के प्रयास के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई जाएगी तथा दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा केंद्रों एवं उसके

हाथियों ने पीडीएस दुकान को तोड़कर चावलों को बनाया निवाला

नवप्रदेश/ईचागढ़। प्रखंड क्षेत्र के छोटा चुनचुड़ीया गांव में रविवार देर रात करीब 2 बजे तीन जंगली हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने पीडीएस दुकान का दरवाजा को तोड़कर 5 बोरा चावल को दुकान से बाहर निकाल कर अपना निवाला बनाया। हाथियों ने धनंजय महतो ,गुणाधर महतो का गन्ना खेती को भी रौंद कर नष्ट कर दिया। वहीं रमेश चन्द्र रेवानी का लौकी खेती को नष्ट कर दिया। सोमवार को सुचना मिलते ही वन रक्षी कैलाश महतो, मुखिया प्रतिनिधि राम चरण सिंह मुण्डा घटनास्थल पर पहुंचे और क्षति का जायजा लिया। वन विभाग की ओर से टाच व पटाखे का भी वितरण किया गया। वहीं पीडीएस डीलर अम्बिका देवी व पूर्व मुखिया भीम देव महतो ने हाथियों का स्थाई समाधान एवं मुआवजा का भूतान करने का मांग किया है।

लौह अयस्क लदे ट्रेलरों की भिड़ंत, केबिन में फंसे चालक ने तोड़ा दम

नवाप्रदेश/सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिले के राजनगर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। डीवीसी के समीप आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में लौह अयस्क से लदे दो ट्रेलर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दुर्घटना इसनी भयावह थी कि एक ट्रेलर चालक वाहन के केबिन में फंस गया और अस्पताल पहुंचने के बाद उसकी मौत हो गई, जबकि दूसरे ट्रेलर को चालक घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, सुबह लगभग छह बजे एक ट्रेलर लौह अयस्क लेकर जमशेदपुर से चाईबासा की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे दूसरे आयरन लदे ट्रेलर से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह चकनाचूर हो गए। घटनास्थल पर मौजूद लोगों के अनुसार, टक्कर की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही राजनगर थाना पुलिस और 108 एम्बुलेंस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। राहत एवं बचाव कार्य

शुरू किया गया। एक चालक वाहन के केबिन में बुरी तरह फंसा हुआ था, जिसे काफी प्रयास के बाद बाहर निकाला जा सका। गंभीर रूप से घायल चालक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, राजनगर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान ओडिशा के ब्यांझर जिले के घटनाग्रत थाना क्षेत्र स्थित अर्जुनबिला गांव निवासी चक्रधर निर्गु के रूप में हुई है। वहीं दूसरे ट्रेलर का चालक भी घायल हुआ है। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद वह उपचार के लिए किसी अन्य वाहन से चाईबासा चला गया। हादसे के बाद कुछ समय तक सड़क पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था बहाल कराई और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने की कार्रवाई शुरू की। फिलहाल मृतक का शव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, राजनगर में रखा गया है। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। उनके पहुंचने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेजा जाएगा।

विधायक ने किया सांस्कृतिक कार्यक्रम का फीता काट कर उद्घान

नवप्रदेश/ईचागढ़। ईचागढ़-सरायकेला-खरसावां जिला के ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के बड़ा चुनचुड़ीया में चुनचुड़ीया झारूआ आदिवासी समिति द्वारा बंगला ज्येष्ठ संक्रांति के उपलक्ष्य में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का विधायक सविता महतो ने फीता काट कर किया। विधायक ने दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि विरासत में मिली संस्कृति को संजोए रखना हम सबों का दायित्व है। उन्होंने लोगों को शांति पूर्वक सांस्कृतिक कार्यक्रम का लुफ्त उठाने एवं नृत्य के माध्यम से मनोरंजन करने का अपील किया। शाम को नवीन डांस ग्रुप जमशेदपुर के कलाकरों द्वारा वास प्रस्तुत कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं रात्रि को बंगाल के पुरुलिया जिला के रेरेगाटांड के दिलीप सिंह मुण्डा एवं ईचागढ़ के चोगा का कृष्ण चन्द्र महतो के दल द्वारा छऊ नृत्य प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि अरूण मांडी ने अपने संबोधन में कहा गया संस्कृति सिर्फ हमारी पहचान ही नहीं बल्कि आज के व्यस्त जीवन में मनोरंजन भी एक दवा के रूप में काम करता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी लुफ्त उठाना जरूरी है।मौके पर थाना प्रभारी वरूण यादव,झामुको केन्द्रीय सदस्य काबलू महतो, आयोजन समिति के छूट सिंह मुण्डा,ग्राम प्रधान नगोन सिंह मुण्डा, मुखिया प्रतिनिधि राम चरण सिंह मुण्डा, दीलीप दास ,कस्म गोप ,जीतन सिंह आदि उपस्थित थे।

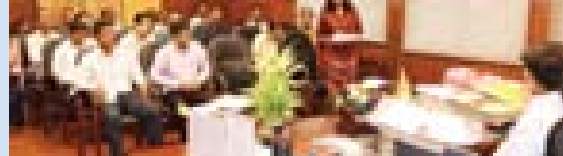
एक नजर

झारखंड में महिला सुरक्षा के मुद्दे पर सक्रिय हुए राजकुमार राज, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष से की मुलाकात

नवप्रदेश/रांची। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (राजोजपा) झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार राज ने सोमवार को नई दिल्ली में किज्या रहाटकर से शिष्टाचार मुलाक़ात की। इस दौरान उन्होंने झारखंड में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध, महिला सुरक्षा, उत्पीड़न और हिंसा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। राजकुमार राज ने राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष का ध्यान झारखंड में सामने आ रहे महिला हिंसा के मामलों की ओर आकृष्ट करते हुए कहा कि राज्य के कई हिस्सों से महिलाओं के साथ अत्याचार, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न और अन्य गंभीर अपराधों की घटनाएं सामने आ रही हैं। ऐसे मामलों में पीड़ित महिलाओं को समय पर न्याय दिलाने तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। मुलाकात के दौरान राजकुमार राज ने राष्ट्रीय महिला आयोग से झारखंड में घटित महिला उत्पीड़न और हिंसा की प्रमुख घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लेने तथा आवश्यकतानुसार राज्य प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से रिपोर्ट तलब करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना किसी भी लोकतांत्रिक समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इस दिशा में सभी संस्थाओं को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है।



विशेष नामांकन अभियान की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित



नवप्रदेश/दुमका। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में समग्र शिक्षा के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित विभिन्न कार्यक्रमों एवं विशेष नामांकन अभियान की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले में विद्यालय से बाहर एवं विद्यालय में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों की पहचान का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन बच्चों के पास दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं है, उनके लिए विशेष शिथिर आयोजित कर प्रमाण पत्र निर्माण की प्रक्रिया पूरी की जाए, ताकि वे सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। उपायुक्त ने दृष्टिबाधित विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बीच बेल किट एवं बेल पुस्तकों का वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुष्ण शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराना आवश्यक है, जिससे उनकी शिक्षा निर्बाध रूप से संचालित हो सके। बैठक में दिव्यांग बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि बच्चों का निरन्मित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें आवश्यक चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई जाए।लो विजन बच्चों का हेल्थ चेक अप कराया जाय। इस दौरान विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी उपायुक्त ने आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य सड़कों के किनारे स्थित विद्यालयों को चिन्हित कर सुरक्षा की दृष्टि से लोहे का बाड़ड़ी वाल निर्माण की कार्रवाई करने को कहा। साथ ही जर्जर एवं असुरक्षित विद्यालय भवनों की पहचान कर आवश्यक दमम्मत अथवा अन्य उपयुक्त कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने हरि झांडी दिखाकर जागरूकता रथ को किया रवाना



नवप्रदेश/सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिला प्रशासन ने निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार के खिलाफ चलाए जा रहे राज्यव्यापी जागरूकता अभियान के तहत सोमवार को समाहरणालय परिसर में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नितिश कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त रीना हांसदा एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सत्या ठाकुर ने जागरूकता रथ को हरी झांडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों, आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहियाओं ने हस्ताक्षर अभियान में भाग लेते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।उपायुक्त नितिश कुमार सिंह ने कहा कि मादक पदार्थों का बढ़ता दुरुपयोग युवाओं और समाज के लिए गंभीर चुनौती है। नशामुक्त समाज का निर्माण तभी संभव है, जब प्रशासन के साथ आमजन भी सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने युवाओं को सकारात्मक और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।उप विकास आयुक्त रीना हांसदा ने कहा कि नशे का दुष्प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। वहीं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सत्या ठाकुर ने बताया कि जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों, गांवों और शैक्षणिक संस्थानों में जाकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराएगा। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मी, सहियाएं और आंगनबाड़ी सेविकाएं मौजूद रहीं।

खंडोली में गुंजा ‘टेसा सलाम’, कारपेंटर्स मेगा मीट में कारीगरों का हुआ सम्मान

नवप्रदेश/गिरिडीह। एक्शन-टेसा द्वारा खंडोली स्थित नेचर वूड में ‘टेसा सलाम’ के तहत भव्य कारपेंटर्स मेगा मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कारपेंटर्स, डिस्ट्रीब्यूटर एवं कंपनी के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि टेसा भारत में पार्टिकल बोर्ड सहित इंजीनियर्ड वुड पैनल उत्पादों का सबसे बड़ा निर्यात एवं लक्डी पैनल उद्योग का अग्रणी बांड है। देशभर में आयोजित उत्सवों की शृंखला के तहत इस मेगा कारपेंटर्स मीट का आयोजन किया गया। मौके पर कंपनी के वीएम आनंद प्रभात, आदित्य रंजन, बिहार एवं झारखंड की पूरी टीम तथा डिस्ट्रीब्यूटरों ने सभी कारपेंटर्स का गर्मजोशी से स्वागत किया। वीएम आनंद प्रभात ने कहा कि यह आयोजन उन कारपेंटर्स के अमूल्य योगदान को सम्मान देने के लिए सम्पन्न है, जिनकी कारीगरी देशभर के घरों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में सुंदरता एवं कार्यक्षमता का संचार करती है। इस अवसर पर एक्शन टेसा के प्रबंध निदेशक अजय अग्रवाल ने वीडियो संदेश के माध्यम से कारपेंटर्स के प्रति अपनी गहरी प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि कारपेंटर्स इंजीनियर्ड लक्डी उद्योग की रीढ़ हैं। उनकी कुशलता, मेहनत और रचनात्मकता ही उद्योग की सफलता का आधार है। उन्होंने सभी कारीगरों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके योगदान को अतुलनीय बताया। कार्यक्रम के दौरान कारपेंटर्स के सम्मान में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

ग्राम देवता का पूजा कर मांगी गयी मनोकामना

नवप्रदेश/ईचागढ़। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जेष्ठ संक्रांति के अवसर पर राजो पर्व धूमधाम से मनाया गया।राजा पर्व में गांव में ग्राम देवता का पूजा किया जाता है और अच्छी बारिश और अच्छी फसल होने की कामना की जाती है। वहीं समाजसेवी दिलीप दास ने बताया कि राजो पर्व के अवसर पर प्रतिवर्ष गांव में चंदा इकठ्ठा करके भेड़ा,बकरा,मुर्गा आदि का गराम थान में बलि किया जाता है और क्षेत्र में अच्छी फसल और अच्छी बारिश होने की मनोकामना की जाती है ताकि किसान अपना अच्छी फसल उपजाऊ कर सकें।वही दिलीप दास ने बताया कि पूर्वजों से चली आ रही परम्परा को हम सभी बचाए रखें है और आगे भी रखेंगे,राजो पर्व के बाद ही कृषि की कार्य का शुरुवात किया जाता है,खेत में धान की बुआई की जाती है और घर से खेत में गबर डाला जाता है ताकि अच्छी खेती हो पाए। उन्होंने बताया कि अच्छी फसल के साथ साथ गांव की शांति सद्भाव, वीरमारियां, विपतियों और विनाश से अमन चैन शांति हेतु मंगलकामनाएं करते है।

संपादकीय



51 का जी-7 व नयी चुनौतियां

विश्व की सात प्रमुख औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी-7 ने अपने गठन के 51 वर्ष पूरे कर लिए हैं। फ्रांस में आयोजित इस वर्ष का शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया कई जटिल चुनौतियों से जूझ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में तनाव, वैश्विक व्यापार असंतुलन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का बढ़ता प्रभाव और विकासशील देशों पर बढ़ता कर्ज—ये सभी मुद्दे सम्मेलन के केंद्र में हैं। ऐसे में जी-7 की प्रासंगिकता और उसकी भूमिका पर एक बार फिर वैश्विक चर्चा शुरू हो गई है। जी-7 की शुरुआत वर्ष 1975 में तेल संकट और आर्थिक अस्थिरता से निपटने के लिए हुई थी। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान ने मिलकर इस मंच की नींव रखी, जिसमें अगले वर्ष कनाडा भी शामिल हो गया। समय के साथ यह केवल आर्थिक सहयोग का मंच नहीं रहा, बल्कि वैश्विक राजनीतिक और रणनीतिक मुद्दों पर भी प्रभाव डालने वाला समूह बन गया। हालांकि, बदलती विश्व व्यवस्था में इसकी प्रभावशीलता को लेकर प्रश्न भी उठते रहे हैं। इस वर्ष का सम्मेलन कई मायनों में विशेष है। अमेरिका और ईरान के बीच हाल में बनी शांति की संभावनाओं ने पश्चिम एशिया में स्थिरता की उम्मीद जगायी है। वहीं रूस-यूक्रेन युद्ध के पांचवें वर्ष में प्रवेश कर जाने से यूरोप की सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। जी-7 देशों के सामने चुनौती यह है कि वे केवल बयानबाजी तक सीमित न रहें, बल्कि संघर्षों के समाधान के लिए ठोस और प्रभावी रणनीति प्रस्तुत करें। वैश्विक अर्थव्यवस्था भी इस समय असंतुलन के दौर से गुजर रही है। अमेरिका की संरक्षणवादी व्यापार नीतियां, चीन की उत्पादन क्षमता और यूरोप की आर्थिक सुस्ती ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित किया है। ऐसे में जी-7 के सामने मुक्त और संतुलित व्यापार व्यवस्था को मजबूत करने की जिम्मेदारी है। साथ ही, दुर्लभ खनिजों और तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर बढ़ती निर्भरता भी चिंता का विषय बनी हुई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर चर्चा इस सम्मेलन की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। एआई तकनीक जहां विकास और नवाचार के नये अवसर प्रदान कर रही है, वहीं इसके दुरुपयोग, साइबर सुरक्षा और रोजगार पर प्रभाव जैसे मुद्दे भी सामने हैं। इसलिए विश्व नेताओं और तकनीकी कंपनियों के बीच संवाद अत्यंत आवश्यक है। भारत भले ही जी-7 का सदस्य नहीं है, लेकिन लगातार आमंत्रित देशों में शामिल होना उसकी बढ़ती वैश्विक भूमिका का संकेत है। आज वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में भारत की भागीदारी इस मंच को अधिक प्रतिनिधिक और संतुलित बनाती है। जी-7 के 51 वर्ष पूरे होने पर यह कहना उचित होगा कि दुनिया पहले से कहीं अधिक जटिल और बहुयुवीय हो चुकी है। ऐसे में समूह की सफलता केवल शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा में नहीं, बल्कि वैश्विक शांति, आर्थिक संतुलन और समावेशी विकास को बढ़ावा देने में निहित है। यदि जी-7 इन चुनौतियों का व्यावहारिक समाधान खोजने में सफल होता है, तभी उसकी प्रासंगिकता आने वाले वर्षों में बनी रहेगी।

मुद्दा

घरेलू महिलाओं को भी आर्थिक मदद की दरकार



डॉ. अंशुल उपाध्याय

देश में घरेलू महिलाओं को भी आर्थिक सबलता का अधिकार प्राप्त होना चाहिए। वह महिलाएं जो नौकरपेशा नहीं है और घर पर रहकर ही अपने बच्चों और परिवार के पोषण के लिए अपना सारा समय लगा देती हैं। उनकी व्यक्तिगत जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्हें उनके पति द्वारा कुछ धनराशि प्रति माह प्राप्त होनी ही चाहिए। इससे न केवल महिलाओं को सबलता मिलेगी बल्कि घरेलू हिंसा के मामलों में भी कमी आएगी। भारत में लगभग घरेलू दायर में हिंसा को घरेलू हिंसा कहा जाता है। किसी महिला का शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, मौखिक, मनोवैज्ञानिक या यौन शोषण किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा किया जाना, जिसके साथ महिला के पारिवारिक सम्बन्ध हैं, घरेलू हिंसा में शामिल है। घरेलू हिंसा के विरुद्ध महिला संरक्षण अधिनियम की धारा-2005 में घरेलू हिंसा को परिभाषित किया गया है। एक गैर सरकारी संस्था के मुताबिक, भारत में लगभग पांच करोड़ महिलाओं को अपने घर में ही हिंसा का सामना करना पड़ता है। इनमें से मात्र 0.1 प्रतिशत ही हिंसा के खिलाफ रिपोर्ट लिखाने आगे आती हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की पुरानी रिपोर्ट के अनुसार, भारत में विवाहित कामकाजी महिलाओं का प्रतिशत 31 प्रतिशत से 32 प्रतिशत के बीच है। 12 मई 2022 की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 92 फीसद महिलाएं बिना मेहनताना लिए घरेलू काम करती हैं। कुछ महिलाएं जो पढ़ी-लिखी हैं मगर नौकरीपेशा नहीं है उन्हें हर वक्त ये बात कबोल्ती तो अवश्य होगी की कारा। वो भी औरों की तरह अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए ही सही कुछ रुपये कमा सकती। कुछ शिक्षा का व्यक्ति के मानसिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान होता है। और मानसिक विकास हो जाने के बाद व्यक्ति अपना अच्छा-बुरा स्वयं समझ पाता है। ऐसे में किसी मानसिक रूप से विकसित महिला का घर पर रहना कई बार उसकी मजबूरी होती है। कई बार बच्चों के पालन हेतु तो कई बार ससुराल वालों की सहमति से। और मन में चल रहे द्वंद का सामना जब महिलाएं नहीं कर पाती तो डिप्रेशन, हाई बीपी, मधुमेह जैसे रोगों का शिकार हो जाती हैं। इसलिए अगर महिलाओं को सबल बनाना है तो जरूरी नहीं परिवार के दायित्व के साथ उन्हें नौकरीपेशा होने को मजबूर किया जाए। इस समस्या का समाधान है-घरेलू महिलाओं को प्रति माह उनके पति द्वारा कुछ धनराशि का प्रदान किया जाना। भारत में महिला सशक्तीकरण के लिए बहुत से प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में जब हम भारत की महिलाओं को देखते हैं तब हमने सशक्तीकरण केवल स्वयं रोजगार से जुड़ने पर नहीं आता। अपितु उनके पास अगर कुछ मात्रा में धन रहे तो खुद ब खुद उस धन को किस तरह से अपने रोजमर्रा की आवश्यकताओं में खर्च करना है, यह समझ महिलाओं में आ जाती है। देश में अधिकतर जगहों पर महिलाएं ग्रहणी है और अपना घर संभालती हैं। पर यह हमारी विवेचना है कि हमने अपने घर की महिलाओं को पित का अधिकार नहीं दिया न ही पित संबंधी मामलों में हम घर की महिलाओं की सलाह लेते हैं। जबकि हमारी वित्तमंत्री जी स्वयं एक महिला हैं और वो भारत का बजट बनाती हैं। दूसरी तरफ एक वह महिला है जो अपना घर चला रही है पर वह घर के बजट को सही तरीके से चला सकने में सक्षम नहीं है। हम बेटियों को पढ़ाते हैं। सख्त उन्हें सक्षम बनाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। फिर हम ये भूल जाते हैं की हमारी बेटी ही तो कल किसी और के घर की बहू बनेगी। अतः अपनी बेटी को हमेशा धन देने रहना और बहू को उससे वंचित रहना क्या ये सही है? इसलिए देश में यह प्राधान्य अवश्य ही होना चाहिए की विवाह के पश्चात यदि कोई महिला नौकरीपेशा नहीं है तो उस उसके उसके पति से हर महीना कुछ धनराशि अवश्य प्रदान की जाए। इससे न केवल घरेलू हिंसाएं अपनी जरूरत की चीजें खुद ले पाएंगी साथ ही घर की छोटी-छोटी चीजों के लिए उन्हें किसी और पर निर्भर नहीं होना होगा। यह उनके मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ पारिवारिक शांति के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।



विनोद पाठक

पश्चिम बंगाल का यह राजनीतिक भूचाल केवल एक दल के टूटने या नए दल के बनने की कहानी नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र के उस जटिल प्रश्न की ओर संकेत करता है, जहां कानून और नैतिकता कई बार एक-दूसरे के समानांतर खड़े दिखाई देते हैं।



रजनीश कपूर

इन दुर्घटनाओं से सबक लेना जरूरी है। रखरखाव, पायलट ट्रेनिंग, स्पेयर पार्ट्स का घरेलू उत्पादन और तेजी से आधुनिक विकल्पों पर जोर दिया जाना चाहिए। इसके लिए रक्षा मंत्रालय और भारतीय वायुसेना को पलीट मैनेजमेंट में और पारदर्शिता लानी होगी। इसके साथ ही शहीदों की याद में उनके परिवारों को पूरा सम्मान और सहयोग मिलना चाहिए।



प्रयाग पांडेय

वाहनों की भीड़ के चलते सामान्य आवागमन बाधित हो गया है। पैदल चलने को रास्ते नहीं बचे हैं। नगर का हरेक कोना और पैदल रास्ते गाड़ियों से पट गए हैं। नगर का कोई भी कोना यात्रिक यातायात से निरापद नहीं है। दोपहिया- चौपहिया वाहनों की रेलमपेल में आम ईंसान का पैदल चलना मुश्किल हो गया है।

एएन-32 : भारतीय वायुसेना का विश्वसनीय वर्कहॉर्स

13 जून 2026 को असम के जोरहाट एयर फ़ोर्स स्टेशन पर भारतीय वायुसेना के एएन-32 परिवहन विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना ने एक बार फिर इस ऐतिहासिक विमान की सुरक्षा और भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं। रूटिन सॉटी के दौरान लैंडिंग के समय हुई इस दुर्घटना में पांच जांबाज एयर वारियर्स, स्ववाइन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम शहीद हो गए। जबकि एक सह-पायलट घायल अवस्था में अस्पताल में इलाजरत है। विमान रनवे से फिसलकर टेक्सीवे पार कर टूट गया और आग की चोपट में आ गया। इस दुखद घटना पर कोर्ट ऑफ़ इंकवायरी का आदेश दिया गया है, लेकिन इससे पहले कि जांच रिपोर्ट आए, हमें एएन-32 के लंबे इतिहास, उसके दुर्घटना रिकॉर्ड और भारतीय सशस्त्र बलों में इसके निरंतर सेवा में रहने के कारणों पर गौर करना चाहिए।

एंटोनोव एएन-32, जिसे NATO रिपोर्टिंग नाम क्लाइन दिया गया है, एक ट्विन-इंजन टर्बोप्रॉप मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट है। 1976 में अपनी पहली उड़ान भरने वाला यह विमान सौविद्य काल का उत्पादन है, जिसे विशेष रूप से भारत की जरूरतों की ध्यान में रखकर विकसित किया गया था। एएन-26 का उन्नत संस्करण होने के कारण इसमें शक्तिशाली इंजन, बेहतर विंग हाई-लिफ्ट डिवाइसेस और ट्रॉपिकल/हाई-एल्टीट्यूड ऑपरेशंस के लिए मजबूत संरचना दी गई। 1984 में भारतीय वायुसेना में इसे शामिल किया गया। आज भी भारतीय वायुसेना के पास 100 से अधिक एएन-32 विमान सेवा में हैं, जो 12, 25, 33, 43, 48 और 49 स्क्वाड्रनों में तैनात हैं। जोरहाट स्थित 49 स्क्वाड्रन का यही विमान दुर्घटना का शिकार हुआ।

यह विमान 7.5 टन तक कागों, 50 पैसेंजर्स या 42 पैराट्रॉप्स ले जाने में सक्षम है। इसकी अधिकतम गति 530 किमी/घंटा और ऑपरेशनल रेंज इसे हिमालय, लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश और सियाचिन जैसे दुर्गम इलाकों के लिए आदर्श बनाती है। हॉट एंड हाई परिस्थितियों में उड़ान भरने की क्षमता के कारण यह भारतीय सेना की लॉजिस्टिक्स का अहम हिस्सा रहा है। फिर वो चाहे टूट मूवमेंट



हो, आपदा राहत हो या मेडिकल इवैक्यूएशन। हाल ही में बायो-जेट फ़्यूल पर सफल उड़ानें भी इसका आधुनिक अनुकूलन दर्शाती हैं।

दुर्घटनाओं से भरा इतिहास

इतनी खाशियतों के बावजूद एएन-32 की सेवा का इतिहास दुर्घटनाओं से भी भरा है। 1986 से अब तक IAF में एएन-32 के 18 से अधिक प्रमुख हादसे दर्ज हैं। मार्च 1986 में जम्मू-कश्मीर में हुई दुर्घटना में 17 लोग मारे गए। उसी वर्ष अरब सागर में एक एएन-32 गायब हो गया। 1990 में केरल के पोनमुडी पहाड़ियों में पांच जवान शहीद हुए। 1992 में पंजाब में दो एएन-32 आपस में टकराए, जिसमें आठ मौतें हुईं। 1999 में दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंडिंग के समय दुर्घटना हुई। 2009 में अरुणाचल में 13 लोगों की जान गई। 2016 में चेन्नई से पोर्ट ब्लेयर जाते हुए बंगाल की खाड़ी में 29 जवान लेकर एक एएन-32 गायब हो गया, जिसका मलबा पांच साल बाद मिला। 2019 में जोरहाट से मेचुका जाते हुए एक और क्रैश में 13 जवान शहीद हुए। मार्च 2025 में बागडोगरा में लैंडिंग हादसा हुआ और अब 2026 का जोरहाट हादसा।

ये दुर्घटनाएं अक्सर इंजन फेलियर, लैंडिंग पर असममित थ्रस्ट, मौसम या रखरखाव संबंधी

मुद्दों से जुड़ी बताई जाती हैं। एएन-32 की उम्र 40 वर्ष से अधिक और स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता (यूक्रेन-रूस संघर्ष के कारण चुनौतीपूर्ण) सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाती है। फिर भी, क्यों है यह विमान अभी भी भारतीय वायुसेना का मुख्य सहारा?

व्यों महत्वपूर्ण है एएन-32

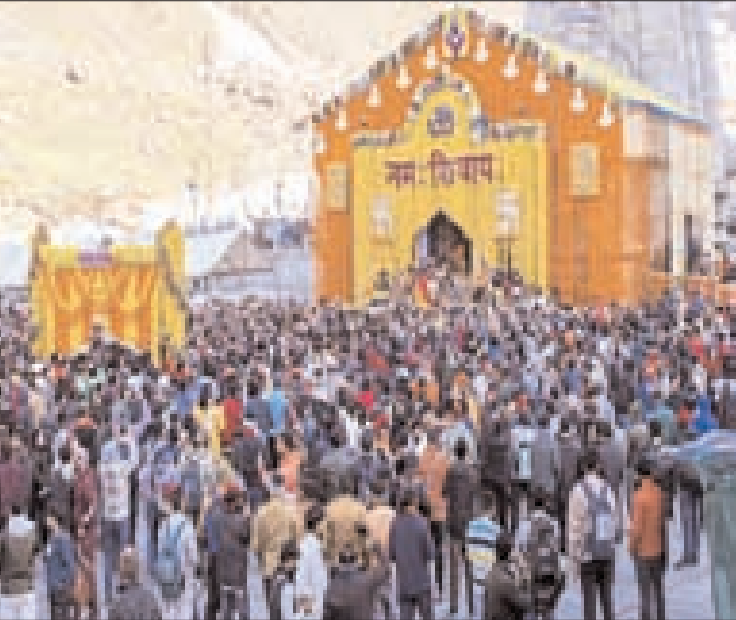
सबसे बड़ा कारण इसकी अपार उपयोगिता है: एएन-32 उन एयरफील्ड्स पर उतर सकता है जहां आधुनिक बड़े ट्रांसपोर्ट जैसे C-17 या C-130 हमेशा आसानी से नहीं पहुंच पाते। पूर्वोत्तर, हिमालयी क्षेत्रों और द्वीपों तक सप्लाई चैन बनाए रखना इसके बिना मुश्किल है। भारतीय वायुसेना के पास अभी इसका पूर्ण विकल्प नहीं है। मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट (MTA) प्रोग्राम भविष्य की उम्मीद है, लेकिन वो अभी विकास चरण में है।

दूसरा, आधुनिकीकरण: 2009 में 400 मिलियन डॉलर के अनुबंध के तहत यूक्रेन से अनवियन्स्का, नेविगेशन, रडार और इंजन अपग्रेड किए गए। कई विमानों की सर्विस लाइफ 15-40 वर्ष बढ़ाई गई। भारत में ही कानपुर और चंडीगढ़ के बेस रिपेयर डिपो पर अपग्रेडेशन जारी है। जीपीएस और टेर्रेन अववेरनेस वॉरिंग सिस्टम (TAWS) जैसी सुविधाएं भी जोड़ी गईं। भारतीय वायुसेना इसे रिलायबल प्लेटफॉर्म मानता है, हालांकि हर

अनियंत्रित भीड़ ने बदली तीर्थ पर्यटन की मूल अवधारणा

यूं तो विश्व में तीर्थाटन का इतिहास बहुत पुराना है। भारत में तीर्थ और पर्यटन का घनिष्ठ संबंध रहा है। यहां तीर्थाटन को पट सी घटने में तीर्थयात्रा की भावना मन और विचारों की पवित्रता से जुड़ी थी। श्रद्धालु शांति की खोज, पापों के प्रार्थश्चित और निर्वाण के निमित्त तीर्थयात्रा करते थे। लोगों को तीर्थस्थलों में मानसिक शांति और आध्यात्मिक सुख की अनुभूति होती थी। तीर्थाटन को सांसारिक परेशानियों एवं चिंताओं से मुक्ति पाने का उपक्रम माना जाता था। तब तीर्थयात्राओं के लिए न्यूनतम सुविधाओं की आवश्यकता होती थी। तीर्थयात्रा साधना के समतुल्य मानी जाती थी। श्रद्धालु कठिनतम तीर्थ यात्रा करते थे। तब तीर्थयात्रा के संबंध में कहा जाता था- जितनी कठिन यात्रा, उतना ही उत्तम फल।

आज के दौर में मानव जीवन में व्यापारीकरण और भौतिकवाद बढ़ता चला जा रहा है। विलासप्रियता के चलते अब तीर्थ एवं धार्मिक पर्यटन में भी आनंद एवं आराम की चाहत होने लगी है। जिसके कारण तीर्थाटन एवं धार्मिक पर्यटन का मूल आधार तेजी से बदल रहा है। आधुनिक युग में तीर्थ भी सर्वसुविधायुक्त आनंददायक यात्रा हो गई है। धर्मस्थलों की यात्रा का प्रेरक तत्व धर्म से अधिक देखादेखी, मौजमस्ती और सैर-सपाटा हो गया है।



धर्म स्थलों में आस्था के नाम पर उमड़ने वाली अनियंत्रित भीड़ के कारण पारिस्थितिकी संतुलन गड़बड़ाने लगा है। वायु एवं ध्वनि प्रदूषण से वातावरण प्रदूषित हो रहा है। भीड़भाड़ और कोलाहलपूर्ण वातावरण से नाजुक पर्यावरण संतुलन बिगड़ गया है। स्थानीय संसाधनों में अत्यधिक दबाव पड़ने लगा है। आए दिन लगने वाले वाहनों के लंबे जाम के कारण स्थानीय निवासियों की दैनंदिन गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित होने लगी

हैं। आवागमन पर बुरा प्रभाव पड़ने लगा है। धर्म स्थलों की वहन क्षमता से कई गुना अधिक लोगों के आने से धर्म स्थलों की प्रदूषण से वातावरण प्रदूषित हो रहा है। भीड़भाड़ और कोलाहलपूर्ण वातावरण से नाजुक पर्यावरण संतुलन बिगड़ गया है। स्थानीय संसाधनों में अत्यधिक दबाव पड़ने लगा है। आए दिन लगने वाले वाहनों के लंबे जाम के कारण स्थानीय निवासियों की दैनंदिन गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित होने लगी

अधिक बोझ ढो रही नगर की सभी सड़कें - गलियां दोपहिया और चौपहिया वाहनों से पट सी गई हैं।

वाहनों की भीड़ के चलते सामान्य आवागमन बाधित हो गया है। पैदल चलने को रास्ते नहीं बचे हैं। नगर का हरेक कोना और पैदल रास्ते गाड़ियों से पट गए हैं। नगर का कोई भी कोना यांत्रिक यातायात से निरापद नहीं है। दोपहिया- चौपहिया वाहनों की रेलमपेल में आम ईंसान का पैदल चलना मुश्किल हो गया है। हालात इस कदर खराब हो चुके हैं कि आम आदमी के लिए पैदल चलने की जगह ही नहीं बची है।

चकाचौंध कर देने वाले अल्पवधि के इस अनियंत्रित पर्यटन के कारण संवेदनशील एवं चैतन्य पर्यटकों का आगमन कम होने लगा है, जिससे टिकाऊ और लाभकारी पर्यटन प्रभावित हो रहा है। यह स्थापित सत्य है कि अनियंत्रित एवं अनियोजित पर्यटन से लाभ के बजाय हानि अधिक होती है। अल्पकालिक सैर-सपाटा पर्यटन से लाभ नहीं, बल्कि विशुद्ध हानि ही होती है। ऐसे पर्यटन से भौतिक, पर्यावरणीय, सामाजिक एवं कानून- व्यवस्था की समस्याएं उत्पन्न होती हैं। यदि उत्तराखंड में पर्यटन उद्योग को टिकाऊ, दीर्घजीवी और लाभकारी बनाना है तो पर्यटकों की संख्या पर अंकुश लगाना आवश्यक है, भले ही वह धार्मिक या तीर्थ पर्यटन ही क्यों न हो।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

पश्चिम बंगाल : राजनीति में स्थायी मित्र या स्थायी शत्रु नहीं

पश्चिम बंगाल की राजनीति में हाल के दिनों में आया अभूतपूर्व घटनाक्रम इसी अनिश्चितता की एक बड़ी मिसाल बनकर सामने आया है। चुनावी परिणामों के बाद जिस तेजी से तुणमूल काग्रिस का संसदीय ढांचा दरका और उसके कई सांसदों ने एक नए राजनीतिक मंच का रुख किया, उसने केवल पश्चिम बंगाल की राजनीति को ही नहीं झकझोरा, बल्कि देश में दलबदल विरोधी कानून की प्रभावशीलता और उसकी सीमाओं पर भी नए सिर से बहस छेड़ दी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या निर्वाचित प्रतिनिधियों के सामूहिक रूप से दल बदल लेने को केवल कानूनी प्रक्रिया मान लिया जाए या इसके नैतिक पहलुओं पर भी गंभीर चर्चा होनी चाहिए? आखिर जनता ने वोट किसी व्यक्ति को दिया था, किसी विचारधारा को या उस राजनीतिक दल को जिसके प्रतीक और नेतृत्व के आधार पर चुनाव लड़ा गया था? पूरे घटनाक्रम में सबसे अधिक चर्चा उस नई राजनीतिक इकाई 'नेशनलिस्ट सिटिजन पार्टी ऑफ इंडिया' की हो रही है, जिसके बारे में आम राजनीतिक विमर्श में पहले बहुत कम जानकारी थी। पार्टी के सोशल मीडिया अकाउंट्स भी 14 जून को सक्रिय हुए हैं, जिन पर तुणमूल काग्रिस से आए सांसदों का स्वागत किया गया है। ये सांसद अब मोदी सरकार को बाहर से



सशर्त समर्थन देंगे।

इन सांसदों में कई सांसद तो ऐसे हैं, जो पानी पी-पीकर रोज भाजपा नेतृत्व की कोसते थे। अचानक इस मंच पर कई सांसदों का एक साथ आ जाना स्वाभाविक रूप से अनेक सवाल खड़े करता है। क्या यह वास्तव में एक नई राजनीतिक विचारधारा की शुरुआत है या फिर केवल दलबदल विरोधी कानून की सीमाओं के भीतर रहते हुए राजनीतिक अस्तित्व

बचाने की एक रणनीति? क्या जनता ऐसे नए राजनीतिक प्रयोग को स्वीकार करेगी या इसे केवल सत्ता की बदलती दिशा के साथ खुद को जोड़ने की कोशिश के रूप में देखेगी?

कार्यकर्ता, संगठन व विचार से बनता है राजनीतिक दल

भारतीय राजनीति का इतिहास बताता है कि केवल नेताओं का समूह किसी दल

को जनाधार नहीं दिला सकता। किसी राजनीतिक दल की वास्तविक शक्ति उसके कार्यकर्ताओं, संगठन, विचार और जनता से उसके संबंधों में निहित होती है। यही कारण है कि कई बड़े राजनीतिक प्रयोग शुरुआत में चर्चा का विषय तो बने, लेकिन समय की कसीटी पर टिक नहीं सके। भारत के संविधान की दसवीं अनुसूची, जिसे दलबदल विरोधी कानून कहा जाता है, 1985 में 52वें संविधान संशोधन के माध्यम से लागू की गई थी। इसका उद्देश्य राजनीतिक अस्थिरता और अवसरवादी दलबदल पर रोक लगाना था। बाद में 91वें संविधान संशोधन के जरिए यह व्यवस्था की गई कि यदि किसी विधायी दल के कम से कम दो-तिहाई सदस्य किसी दूसरे दल में विलय का निर्णय लेते हैं तो उसे दलबदल नहीं माना जाएगा और उनकी सदस्यता सुरक्षित रह सकती है। यही वह कानूनी प्रावधान है, जो ऐसे मामलों में सबसे अधिक विवाद का कारण बनता है। कानून यह अनुमति देता है, लेकिन क्या यह व्यवस्था मतदाता की मूल भावना के अनुरूप है? क्या दो-तिहाई सदस्यों के एक साथ चले जाने से जनता का जनादेश भी स्वतः स्थानांतरित माना जा सकता है?

शायद यही वह प्रश्न है जिस पर भविष्य में संसद और न्यायपालिका दोनों को व्यापक

विमर्श करना पड़ सकता है।

पश्चिम बंगाल में अब क्या?

भारतीय राजनीति में गोवा, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों के कई उदाहरण बताते हैं कि बड़े राजनीतिक दल भी टूटें हैं और नए राजनीतिक समीकरण बने हैं, लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि राजनीति में कोई भी शून्य हमेशा के लिए नहीं रहता। पश्चिम बंगाल ने पिछले पांच दशकों में कई बड़े परिवर्तन देखे हैं। कभी काग्रिस प्रमुख शक्ति थी, फिर वामपंथ का लंबा दौर आया, उसके बाद तुणमूल काग्रिस का उदय हुआ। यह इतिहास संकेत देता है कि जनता अंततः नए विकल्प भी तैयार कर सकती है। इसलिए यह कहना जल्दबाजी होगी कि पश्चिम बंगाल में विपक्ष की राजनीति हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी। हालांकि, यह जरूर कहा जा सकता है कि यदि तुणमूल काग्रिस अपने संगठन और जनाधार को पुनर्जीवित नहीं कर पाती तो राज्य की राजनीति में एक बड़ा रिक्त स्थान पैदा हो सकता है, जिसे भरने के लिए नए राजनीतिक शक्तियां सामने आएंगी। पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र के सामने एक मूल प्रश्न खड़ा कर दिया है, क्या दलबदल विरोधी कानून का वर्तमान स्वरूप जनता की राजनीतिक इच्छाओं की पूरी तरह रक्षा

कर पा रहा है? कानूनी रूप से दो-तिहाई सदस्यों का विलय वैध माना जा सकता है, लेकिन लोकतंत्र केवल कानूनी प्रावधानों से नहीं चलता, बल्कि जनता के विश्वास और राजनीतिक नैतिकता से भी संचालित होता है। पश्चिम बंगाल में जो कुछ घटित हुआ है, उसका वास्तविक फैसला न केवल विधानसभा या संसद के भीतर होगा, बल्कि आने वाले चुनावों में जनता के बीच भी होगा। जनता यह तय करेगी कि यह परिवर्तन राजनीतिक आवश्यकता था, अवसरवाद था या फिर राज्य की राजनीति में किसी नए अध्याय की शुरुआत। पश्चिम बंगाल का यह राजनीतिक भूचाल केवल एक दल के टूटने या नए दल के बनने की कहानी नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र के उस जटिल प्रश्न की ओर संकेत करता है, जहां कानून और नैतिकता कई बार एक-दूसरे के समानांतर खड़े दिखाई देते हैं। सत्ता परिवर्तन लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन किसी भी लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इस बात से तय होती है कि वहां सत्ता के सामने एक सक्षम, सक्रिय और वैचारिक विपक्ष मौजूद है या नहीं। पश्चिम बंगाल की राजनीति आज जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां सबसे बड़ा प्रश्न किसी एक दल का भविष्य नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संतुलन का भविष्य है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ किसान-मजदूरों का प्रदर्शन, 20 सूत्री मांग पत्र सौंपा

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज. अखिल भारतीय किसान सभा एवं खेत मजदूर यूनियन के बैनर तले सोमवार को किसान-मजदूरों ने विभिन्न जनसमस्याओं और कथित भ्रष्टाचार के विरोध में हरिहरगंज प्रखंड मुख्यालय पर प्रदर्शन किया. प्रदर्शन के बाद प्रखंड कार्यालय का घेराव करते हुए बीडीओ व सीओ के नाम 20 सूत्री मांग पत्र सौंपा गया और समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गयी. संगठन के राष्ट्रीय सचिव केडी सिंह एवं खेत मजदूर यूनियन के अध्यक्ष जनेश्वर भुइयां द्वारा जारी मांग पत्र में गांवों में विशेष



लचर बिजली व्यवस्था से जनता बेहाल, मनमानी आपूर्ति पर बढ़ा आक्रोश



नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज. हरिहरगंज में बिजली की लचर व्यवस्था और अनियमित आपूर्ति से आम लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया है. भीषण गर्मी के बीच बार-बार बिजली कटने, लो-वोल्टेज और लंबे समय तक आपूर्ति बाधित रहने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. पेयजल संकट के साथ-साथ घरेलू कामकाज, विद्यार्थियों की पढ़ाई और छोटे व्यवसाय भी प्रभावित हो रहे हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में मनमाने ढंग से लोड शेडिंग की जा रही है. शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक घंटों बिजली नहीं रहने से लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है. लोगों का आरोप है कि बिजली विभाग के कुछ कर्मी अपनी जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन कर रहे हैं और शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई भी करते हैं, लेकिन कुछ बिजली मिस्त्रियों पर मनमाने तरीके से किसी खास क्षेत्र की लाइन काटने और दूसरे क्षेत्रों में आपूर्ति जारी रखने का आरोप लगाया जा रहा है. इससे उपभोक्ताओं में भेदभाव की भावना पैदा हो रही है और आक्रोश बढ़ता जा रहा है. स्थानीय नागरिकों का यह भी कहना है कि क्षेत्र में संचालित क्रशर प्लांटों पर बिजली की अधिक खपत होने से आम उपभोक्ताओं की पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही है, जिससे समस्या और गंभीर हो गयी है. लोगों ने जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों से अविलंब सज्जन लेते हुए बिजली व्यवस्था में सुधार, समान रूप से आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा अनावश्यक लोड शेडिंग पर रोक लगाने की मांग की है. उनका कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को विवश होंगे.

लेवी मांगने और वाहन फूंकने का आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

नवप्रदेश/नौडीहा बाजार (पलामू): नौडीहा बाजार थाना पुलिस ने लेवी मांगने, मारपीट करने तथा माईस में खड़े वाहनों में आग लगाने के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी नीरज कुमार ने बताया कि वर्ष 2019 में गुड्डु गुप्ता, पिता ओम गुप्ता, निवासी नौडीहा बाजार द्वारा दिए गए लिखित आवेदन के आधार पर अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था। आरोप था कि अपराधियों ने लेवी के रूप में रुपये की मांग की थी। मांग पूरी नहीं होने पर उन्होंने माईस पर मौजूद कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज और मारपीट की तथा वहां खड़े चार पोकेलेन और एक पिकअप वाहन में आग लगा दी थी। साथ ही मोबाइल छीन लेने का भी आरोप लगाया गया था। इस संबंध में नौडीहा बाजार थाना कांड संख्या 06/2019, दिनांक 4 फरवरी 2019 के तहत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की जांच के दौरान अधिकांश आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी थी, जबकि एक आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने बताया कि मामले का एकमात्र शेष अभियुक्त योगेंद्र जी उर्फ योगेंद्र यादव, पिता रामावतार यादव, निवासी बसगुट्टा, थाना प्रतापपुर, जिला चतरा को सोमवार को सिमरिया थाना क्षेत्र के बगरा मोड़ से गिरफ्तार कर लिया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

सिंदरी में अधोषित बिजली कटौती पर फूटा

जनाक्रोश, डीवीसी सब-स्टेशन पर जोरदार प्रदर्शन



नवप्रदेश/सिंदरी। मेटेनेंस के नाम पर दामोदर घाटी निगम द्वारा की जा रही 12-15 घंटे की अधोषित बिजली कटौती के खिलाफ सोमवार को स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। विधायक चंद्रदेव महतो के निर्देश पर भाकपा माले कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने कांड्रा चासनाला-सिंदरी पावर सब-स्टेशन का घेराव कर डीवीसी प्रबंधन के खिलाफ तीखा विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से ज्ञापन सौंपने पहुंचे थे, लेकिन सब-स्टेशन के स्टाफ ने ग्रामीणों से बदतमीजी की और पुलिस बुलाने की धमकी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस के सामने भी कार्यकर्ताओं ने विभाग की मनमानी उजागर की।भाकपा माले नेताओं ने चेतावनी दी कि जनता बिजली बिल और टैक्स देती है, भीख नहीं मांग रही। मेटेनेंस के बहाने घंटों बिजली काटना बंद हो, वरना उग्र 'हुडका जाम' आंदोलन होगा। नेताओं ने कहा कि जनसमस्याओं के लिए संघर्ष ही राय को सच्ची श्रद्धांजलि है।प्रदर्शन में नगर सचिव राजीव मुखर्जी, वरिष्ठ नेता छोटन चटर्जी, सुरेश प्रसाद, विधायक प्रतिनिधि शोतल दत्ता, हीरालाल मोदक, मुखिया भानु रजक, युवा नेता निपेंद्र झा समेत सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए।

नशा मुक्ति का संदेश लेकर सड़कों पर उतरे छात्र-छात्राएं

नवप्रदेश/प्रतिनिधि हरिहरगंज. स्कूली प्लस एवं साक्षरता विभाग के नशा मुक्ति अभियान के तहत सोमवार को हरिहरगंज स्थित सीता प्लस टू उच्च विद्यालय एवं बालिका उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने जागरूकता प्रभातफेरी निकाली. विद्यालय परिसर से शुरू हुई प्रभातफेरी शहर के प्रमुख मार्गों व चौक-चौराहों से होकर गुजरी. इस दौरान विद्यार्थियों ने हाथों में बैनर, पोस्टर व तख्तियां लेकर नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक किया तथा स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश दिया. प्रभातफेरी के दौरान



छात्र-छात्राओं ने नशा छोड़ने और

सामाजिक बुराईयों से दूर रहने के

पक्ष में नारे लगाए. बालिका उच्च

शिविर लगाकर जमीन का म्यूटेशन एवं ऑनलाइन रसीद निर्गत करने, किसानों को समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराने, इंजीनियरिंग व डिग्री कॉलेज के लिए भूमि उपलब्ध कराने तथा गैरमजदूरा जमीन पर काबिज गरीब परिवारों को बासगीत पचां देने की मांग की गयी है. इसके अलावा पेंशन योजनाओं में कथित घूसखोरी पर रोक लगाने, प्रवासी मजदूरों का पंजीकरण करने, मनरेगा मजदूरों का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने, कृषि ऋण की सीमा बढ़ाने, महिलाओं के लिए सार्वजनिक

शौचालय निर्माण तथा छोटकी कैनाल की सफाई कराने की मांग भी उठाई गयी. प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि प्रखंड क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार से आम जनता परेशान है और प्रशासन को पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए. प्रदर्शन में अमेन्द्र पासवान, रामवृक्ष मेहता, प्रसाद भुइयां, विमल भुइयां, शिवपूजन भुइयां, रामप्रवेश भुइयां, उर्मिला देवी, प्रमिला देवी, जगिया देवी, कौशलया देवी, सुमित्रा देवी सहित बड़ी संख्या में किसान, मजदूर एवं महिलाएं शामिल थीं.

नवनिर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई

नवप्रदेश/नौडीहा बाजार (पलामू)। प्रखंड अंतर्गत खैरादोहर पंचायत के शिल्पा खुर्द स्थित लकड़ाही बाजार प्रांगण में नवनिर्मित मंदिर में श्री सीताराम-लक्ष्मण, श्री राधा-कृष्ण एवं श्री हनुमानजी की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर रविवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं की विशाल टोली पारंपरिक ढोल, सिंघा, डीजे साउंड और बैड-बाजे के साथ मंदिर परिसर से बटने नदी तट (जवाड़) पहुंची। नदी तट पर विद्वान आचार्य पंडित विनय पाठक एवं सहयोगी पुरोहितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गंगा पूजन कराया गया। इसके बाद श्रद्धालु महिलाओं, माताओं एवं बच्चों ने कलशों में पवित्र जल भरकर मंदिर परिसर तक यात्रा की।



मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं द्वारा परिक्रमा की गई तथा कलशों को मंदिर के चारों ओर स्थापित किया गया। पूजन-अर्चन के उपरांत पूर्वाह्न 10:40 बजे से लकड़ाही-शिल्पा मंडली द्वारा 24 घंटे के अखंड संकीर्तन का शुभारंभ किया गया। संकीर्तन में गोरयाथान, खैरादोहर, जवाड़, सलेया एवं जमुआ-खरडीहा की मंडलियों को आमंत्रित किया गया है।

अध्यक्ष संतोष यादव, उपाध्यक्ष अखलेश प्रसाद, सचिव मनोज रजक, उप सचिव मदन यादव तथा सह संयोजक पप्पू कुमार यादव (प्रेस रिपोर्टर) सहित बजरंग दल शिल्पा, लकड़ाही एवं खैरादोहर के कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के ग्रामीणों का उल्लेखनीय योगदान रहा। इस अवसर पर पलामू जिला धर्माचार्य प्रमुख एवं श्रीराम-श्रीकृष्ण मंदिर के संरक्षक बालयोगी संत विभु सुमनजी ब्रह्मचारी, संत समिति के सरयू बाबा एवं विश्वनाथ बाबा भी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक आयोजन सनातन संस्कृति को मजबूत करने के साथ-साथ नई पीढ़ी को धार्मिक एवं नैतिक मूल्यों से जोड़ने का कार्य करते हैं।

धनबाद में कानून का डंडा: मई में 50 अपराधियों को सजा, 3 को उम्रकैद

एसएसपी प्रभात कुमार के नेतृत्व में पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, 28 मामलों में आया फैसला

नवप्रदेश/धनबाद। अपराध पर नकेल कसने की दिशा में धनबाद पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मई माह में व्यवहार न्यायालय ने 28 आपराधिक मामलों में 50 अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। इसमें हत्या के तीन दोषियों को आजीवन कारावास की सजा मिली है।

सख्त सजा से टूटा अपराधियों का मनोबल.....

न्यायालय द्वारा सुनाई गई सजा के मुताबिक 3 अभियुक्तों को उम्रकैद, 5 को 10 साल तक, 3 को 3 साल तक और 39 अभियुक्तों को 2 साल तक के कारावास की सजा हुई है। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देशन में हुए गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और मजबूत वैज्ञानिक साक्ष्यों के चलते



यह सफलता संभव हुई।
हत्या से लेकर जालसाजी तक, हर मामले में सजा.....

मई माह में हत्या के तीन मामलों में पांच अभियुक्तों को सजा मिली। इनमें तीन को उम्रकैद और दो को 10 साल तक की सजा सुनाई गई। चोरी के तीन मामलों में चार दोषियों को सजा हुई, जिसमें एक को 10 साल की कैद मिली।

तेঁदुई पंचायत में विकास कार्यों की बदली तस्वीर 16 जलमीनार व सात पीसीसी पथ बने

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज. पीपरा प्रखंड के तेँदुई पंचायत में 15वीं वित्त आयोग मद से कराए गए विकास कार्यों का लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है. पंचायत की मुखिया उषा देवी ने बताया कि उनके कार्यकाल में पंचायत में 16 जलमीनार, सात पीसीसी पथ, नाली निर्माण तथा दो चबूतरे का निर्माण कराया गया है, जिससे लोगों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हुई हैं. उन्होंने बताया कि पंचायत में 100 लाभुकों को अबुआ आवास योजना तथा करीब 300 लोगों को पेंशन योजना का लाभ दिलाया गया



है. वहीं, मईयां सम्मान योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं में किसी भी लाभुक से किसी प्रकार का रिश्तत नहीं लिया गया. गरीबों को नियमित रूप से राशन उपलब्ध कराया जा रहा है. मुखिया ने कहा कि पंचायत के विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं पीडीएस

कार्यक्रम, बैठियों की शादी तथा जरूरतमंद लोगों के बीच समय-समय पर आर्थिक मदद व गरीबों के बीच कंबल वितरण सहित अन्य मानवीय कार्यों में भी वे हमेशा सहयोग करती रही हैं और आगे भी करती रहेंगी. इस अवसर पर जिला पार्षद सदस्य ददन पासवान, मुखिया उषा देवी, समाजसेवी अरविंद सिंह, सेवानिवृत्त शिक्षक विश्वनाथ राम, उपमुखिया विजय राम समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

नवप्रदेश/प्रतिनिधि हरिहरगंज. स्कूली प्लस एवं साक्षरता विभाग के नशा मुक्ति अभियान के तहत सोमवार को हरिहरगंज स्थित सीता प्लस टू उच्च विद्यालय एवं बालिका उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने जागरूकता प्रभातफेरी निकाली. विद्यालय परिसर से शुरू हुई प्रभातफेरी शहर के प्रमुख मार्गों व चौक-चौराहों से होकर गुजरी. इस दौरान विद्यार्थियों ने हाथों में बैनर, पोस्टर व तख्तियां लेकर नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक किया तथा स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश दिया. प्रभातफेरी के दौरान



छात्र-छात्राओं ने नशा छोड़ने और

सामाजिक बुराईयों से दूर रहने के

पक्ष में नारे लगाए. बालिका उच्च

विद्यालय के प्रधानाध्यापक धर्मेन्द्र कुमार सिंह, सीता प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक अंजय प्रसाद राय एवं शिक्षक ओरेन्द्र यादव ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं, पारिवारिक कलह और कई अनेतिक गतिविधियों की प्रमुख वजह नशा है. उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने और समाज में जागरूकता फैलाने की अपील की. उन्होंने बताया कि 12 जून से 26 जून तक नशा मुक्ति अभियान के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. प्रभातफेरी में विद्यालय के शिक्षक-

शिक्षिकाओं के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए. प्रभातफेरी में शिक्षक डॉ. नागदेव यादव, नीरज सिंह, कन्हैया प्रसाद, गोपाल शरण राणा, डॉ. राजकुमार, अनूप कुमार, रंजीत कुमार, अब्दुल रहमान, केदारनाथ मोर्य, श्रद्धानंद सिंह, अमित कुमार, तौकीर हुसैन, विनय त्रिपाठी, ऋषिकेश कुमार, कपिल कुमार, अभिषेक कुमार, अरमान अंसारी, विनय कुमार मुंडा, वसीम अख्तर, आलोक कुमार, राकेश पाठक, राहुल कुमार सहित विद्यालय के कई शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल थे.

एक नजर

कस्तूरबा गांधी विद्यालय में एलबैंडाजोल की गोली खिलाई गई



नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज. हरिहरगंज प्रखंड क्षेत्र के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में सोमवार को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान की शुरुआत की गयी. कार्यक्रम का उद्घाटन सीएचसी के प्रभारी विकास प्रदाधिकारी डॉ. गोपाल प्रसाद और वार्डन अनिता कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जलित कर किया. उद्घाटन के बाद छात्राओं को कृमिनाशक एल्वैंडाजोल की गोली खिलाकर अभियान की औपचारिक शुरुआत की गयी. मौके पर डॉ. गोपाल प्रसाद ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें कृमि मुक्त रखना जरूरी है. उन्होंने बताया कि इससे बच्चे एनीमिया और कुपोषण जैसी समस्याओं से बचे रहेंगे. इस अवसर पर विद्यालय की वार्डन, शिक्षिकाओं के साथ स्वास्थकर्मि दीपक कुमार, प्रदीप ठाकुर और अभिमन्यु कुमार समेत कई लोग उपस्थित रहे.

राजस्व उप निरीक्षक संघ के जिलाध्यक्ष

धर्मराज मिश्र पर मातृशोक

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज. हरिहरगंज अंचल के राजस्व उप निरीक्षक सह राजस्व उप निरीक्षक संघ पलामू के जिलाध्यक्ष धर्मराज मिश्र की माता दीपकली कुंदर का निधन हो गया. वह 98 वर्ष की थीं. उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी.मुक्ता का अंतिम संस्कार उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित मणिकर्णिका घाट पर पूरे वैदिक रीति-रिवाज के साथ संपन्न हुआ, जहां उनके छोटे पुत्र धर्मराज मिश्र ने मुखार्पित दी. उनके निधन पर सामाजिक, राजनीतिक एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी में सबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की. शोक व्यक्त करने वालों में शिवराज मिश्र, दिलीप पाठक, अमरेंद्र मिश्र, शशिकान्त मिश्र, विकास मिश्र, प्रभात मिश्र, अनुज मिश्र, विजय मिश्र, सतीश मिश्र, प्रवेश सहित कई गणमान्य लोग शामिल हैं.

धनबाद में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए 'गरिमा गृह' का उद्घाटन

धनबाद। स्माइल योजना के तहत ट्रांसजेंडर समुदाय के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए सोमवार को गरिमा गृह का उद्घाटन किया गया। उपयुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप ने फीता काटकर इसका शुभारंभ किया। केंद्र का संचालन मथन संस्था करेगी। इस मौके पर डीएसडब्ल्यूओ स्नेह कश्यप ने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार है। गरिमा गृह ट्रांसजेंडर समुदाय को सुरक्षित आश्रय, परामर्श, कौशल विकास और मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। वक्ताओं ने कहा कि समुदाय लंबे समय से सामाजिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। यह गृह उन्हें आवास के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, कानूनी सहायता, मानसिक परामर्श और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देगा।कार्यक्रम में अतिथियों ने केंद्र का निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की। मथन संस्था के सचिव विप्लव महतो ने बताया कि यहां सदस्यों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए जाएंगे। समुदाय के सदस्यों ने इसे जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला कदम बताया। मौके पर जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी, सीडब्ल्यूसी सदस्य ममता अरोड़ा, ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की श्वेता किन्नर, कोषाध्यक्ष द्विज पद महतो, प्रबंधक धनंजय कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

लौयाबाद में पार्किंग को लेकर दो पक्षों में तनावीनी, पुलिस ने कराया निपटारा

लौयाबाद। थाना क्षेत्र के कनकनी न-4 निचला धौडा पास पीट्टी में सोमवार को सड़क पर वाहन खड़ा करने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ा कि इसकी सूचना लौयाबाद पुलिस को दी गई। दूसरे पक्ष का आरोप है कि घर के सामने सड़क पर गाड़ी खड़ी होने से उन्हें अपनी गाड़ी निकालने और गैरेज में लगाने में काफी परेशानी होती है। इसी को लेकर उन्होंने पुलिस से शिकायत कर गाड़ी को वहां से हटवाने की मांग की।वहीं गाड़ी मालिक का कहना है कि वह पिछले करीब तीन वर्षों से उसी स्थान पर सड़क किनारे वाहन खड़ा कर रहा है। उसने स्पष्ट किया कि वह किसी की निजी भूमि पर अतिक्रमण नहीं कर रहा है। सूचना पर देश राम एसआई पी। ठाकुर दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों को सुनने के बाद समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। पुलिस ने गाड़ी मालिक को निर्देश दिया कि वह वाहन को विवादित स्थल से हटाकर अन्यत्र खड़ा करे। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी और विवाद समाप्त हो गया।

मजदूरों के मसीहा स्व.सूर्यदेव सिंह की 35वीं पुण्यतिथि पर उमड़ा जनसेलाब, दिव्यांगों को बांटी गई स्कूटी



सिंह मेशन में अखंड कीर्तन,रक्तदान और स्वास्थ्य शिविर आयोजित।

नवप्रदेश/झरिया। कोयलांचल के श्रमिक आंदोलन के अग्रणी नेता एवं पूर्व विधायक स्व. सूर्यदेव सिंह की 35वीं पुण्यतिथि रविवार को श्रद्धा और जनसहभागिता के साथ मनाई गई। झरिया कतरास मोड़ स्थित सिंह मेशन कार्यालय में अखंड कीर्तन, श्रद्धांजलि सभा, रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन हुआ।

प्रतिमा पर माल्यार्पण, दिव्यांगों को मिली स्कूटी.....

कार्यक्रम में स्व. सूर्यदेव सिंह की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस मौके पर झरिया विधायक रागिनी सिंह के सौजन्य से 9 दिव्यांगजनों को स्कूटी वितरित की गई। पूर्व विधायक कुंती देवी एवं विधायक रागिनी सिंह ने संयुक्त रूप से लाभुकों को चाबी सौंपकर उनके आत्मनिर्भर जीवन की कामना की।
इन दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि.....

श्रद्धांजलि सभा में सिंह परिवार से पूर्व विधायक कुंती सिंह, विधायक रागिनी सिंह, धनबाद के मेयर संजीव सिंह, सिद्धार्थ गौतम, किरण सिंह, ज्योति सिंह, मिनी गौतम, शताशी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।इसके अलावा पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह,पूर्व विधायक विरंचो नारायण, पूर्व सांसद रविन्द्र नाथ पांडेय, पूर्व मंत्री रामधारी सिंह,धनबाद विधायक राज सिन्हा,उपमहापौर अरुण चौहान,जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह,भाजपा नेत्री तारा देवी,पूर्व विधायक अर्पणा सेनगुप्ता,भाजयुमो महानगर अध्यक्ष नित्यानंद मंडल, पूर्व बिवाडा अध्यक्ष विजय झा सहित कई राजनीतिक- सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने श्रद्धांजलि दी।
जनसेवा का परिणाम है यह सम्मान- रागिनी सिंह

झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि 35 वर्ष बीतने के बाद भी धनबाद-झरिया की जनता स्व. सूर्यदेव सिंह को नहीं भूलती है। यह उनके जनसेवा, संघर्ष और समाज के प्रति समर्पण का परिणाम है।
मजदूरों के अधिकारों को समर्पित था जीवन - मेयर संजीव सिंह

मेयर संजीव सिंह ने कहा कि स्व. सूर्यदेव सिंह ने मजदूरों और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई में अपना जीवन समर्पित कर दिया। चार बार विधायक रहे सूर्यदेव सिंह को श्रद्धांजलि देने विहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश से भी लोग पहुंचते हैं।
कोयलांचल के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय - राज सिन्हा

धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि मजदूरों के सम्मान, अधिकार और सुरक्षा के लिए किया गया उनका संघर्ष कोयलांचल के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय है। उनके कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। वक्ताओं ने स्व. सूर्यदेव सिंह को कोयलांचल की राजनीति का युगपुरस्क बताया। कार्यक्रम में दिनभर श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा।

खानुडीह में आरओबी निर्माण की मांग तेज, उग्र आंदोलन की चेतावनी: 8 सदस्यीय कमेटी गठित

नवप्रदेश/बाघमारा। गोमो-खड़गपुर रेल मार्ग स्थित खानुडीह रेलवे स्टेशन के बीजी-27 ब्लॉक हट पर ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण की मांग को लेकर स्थानीय लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है।सोमवार को धर्मशाला में बाघमारा बचाओ संघर्ष समिति की बैठक में रेलवे और प्रशासन की उदासीनता पर रोष जताते हुए उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई।हरिबोल साव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रबुद्ध नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय निवासियों ने भाग लिया।



जाम से बेहाल जनजीवन.....

स्थानीय लोगों के अनुसार, बीजी-27 रेलवे फाटक पर अत्यधिक रेल आवागमन के कारण प्रतिदिन दर्जनों

बार भीषण जाम लगता है। इससे एंबुलेंस सेवाएं बाधित होती हैं और स्कूली बच्चों समेत दैनिक यात्रियों

को घंटों फंसे रहना पड़ता है।धामीणों का आरोप है कि कई बार मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच सके।

आंदोलन की रणनीति तय, कमेटी गठित.....

वर्षों से लंबित आरओबी निर्माण को लेकर समिति ने चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान किया है। आंदोलन को प्रभावी बनाने के लिए 8 सदस्यीय संघर्ष कमेटी का गठन किया गया।

नवगठित कमेटी.....

अध्यक्ष अखिलेश सिंह, सचिव

सज्जन खंडेलवाल, सह सचिव ज्ञानेश प्रसाद व संजय केसरी, उपाध्यक्ष विनोद साव व दीपक प्रसाद, सदस्य दीपक कुमार साव तथा कोषाध्यक्ष संजय चंद्रवंशी बनाए गए हैं।समाचार लिखे जाने तक समिति द्वारा मशाल जुलूस की तैयारी की जा रही थी।बैठक में लगनदेव यादव,अशोक मिश्रा, वैजनाथ यादव,सिताराम चौधरी, गेगेन्द्र सिंह,धनेश्वर ठाकुर,विजय शर्मा,साजन खंडेलवाल आदर्श गुप्ता,गौतम कुमार साव, मुकेश वर्णवाल,रितेश अग्रवाल,पवन चौधरी मिराज खान,मो. इसार,विजय कुमार साव सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बीसीकेयू ने मनाई ए.के.राय की जयंती सीटू को समर्थन देने की अपील

नवप्रदेश/बाघमारा। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत सोमवार को दामोदा कोलियरी के हाजीरी घर प्रांगण में बीसीकेयू के तत्वावधान में यूनियन के संस्थापक कामरेड ए.के. राय की जयंती मनाई गई। कामरेड अनिल बाउरी की अध्यक्षता में आयोजित नुक्कड़ सभा में मुख्य अतिथि केन्द्रीय सचिव कामरेड जे.के. झा ने मजदूरों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कामरेड राय दा की जयंती तभी सफल होगी जब हम उनके बताए रास्ते पर ईमानदारी से चलें।

त्याग के प्रतीक थे ए.के. राय.....

कामरेड झा ने कहा कि ए.के. राय मजदूर हित में इंजीनियरिंग की नौकरी छोड़कर कोयलांचल में



आंदोलन खड़ा करने वाले नेता थे। उन्होंने झारखंड राज्य आंदोलन में कामरेड बिनोद बिहारी महतो और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के साथ मिलकर लाल-हरा मैत्री को आगे बढ़ाया। इस क्रम में तत्कालीन बिहार सरकार ने उन्हें मीसा के तहत जेल में यातनाएं भी दीं। वे धनबाद से तीन बार सांसद और तीन बार विधायक रहे। उन्होंने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं

किया। वे त्याग की मूर्ति थे।

चार लेबर कोड पर चर्चा....

कामरेड झा ने मजदूरों से आग्रह किया कि चार लेबर कोड के अनुसार अब वोट के माध्यम से यूनियन का चुनाव होगा, इसलिए सभी मजदूर सीटू को समर्थन दें। इस अवसर पर दामोदा कोलियरी शाखा का पुनर्गठन भी किया गया।

सभा में बैधनाथ यादव, देवानंद राजभर, सूर्यबली साव, मटुकधारी गोरई, भोला चौहान, आगेश कुमार सिंह, हेमलाल महतो, जगमोहन महतो, सत्यवान, लखन रविदास, रोहित साव, कबूतरी देवी, कर्मी कमीण, खेमलाल महतो, विमलेश कुमार, इतवारी महतो, लालमोहन महतो, दिलशाद अहमद, अब्दुल सहाब, राजेश भुइयां आदि उपस्थित थे।

धनबाद में नशे के खिलाफ जंग, एसएसपी-डीडीसी ने हरि झंडी दिखा जागरूकता रथ किया रवाना



नवप्रदेश/धनबाद। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर जिले में मादक पदार्थों के बढ़ते प्रकोप पर अंकुश लगाने के लिए सोमवार को विशेष जागरूकता अभियान का आगाज हुआ। समाहरणालय परिसर से 'नशा मुक्त जागरूकता रथ' को वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार और उग्र विकास आयुक्त सन्नी राज ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस अवसर पर एसएसपी ने उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई। जिला समाज कल्याण एवं जनसंपर्क

कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में निकाला गया यह रथ जिले के सभी प्रखंडों और सुदूरवर्ती गांवों में भ्रमण करेगा। अभियान का मुख्य फोकस युवाओं व किशोरों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना है।एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा, नशा व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार और समाज को तबाह कर देता है। अभियान की सफलता जनभागीदारी पर निर्भर है। हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझे। डीडीसी सन्नी राज ने प्रबुद्ध नागरिकों, सामाजिक संगठनों, शिक्षकों और

अभिभावकों से अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि आस-पास के क्षेत्रों को नशामुक्त बनाने में सभी का सहयोग जरूरी है।कार्यक्रम में डीपीआरओ सुनील कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा निचाज अहमद, बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी के अलावा महिला पर्यवेक्षिका, आंगनबाड़ी सेविकाएं, स्कूली बच्चे व समाहरणालय कर्मों उपस्थित थे।

परधा-बांडूडीह के स्कूलों में नुक्कड़ नाटक नशे के खिलाफ दिया जागरूकता का संदेश

नवप्रदेश/बाघमारा। बलियापुर प्रखंड अंतर्गत आमझर पंचायत के उत्कर्मित मध्य विद्यालय परधा और बांडूडीह में सोमवार को नशे के विरुद्ध राज्यव्यापी अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। झारखंडी लोक सेवा संस्थान के कलादल ने नाटक के माध्यम से राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। नाटक में दिखाया गया कि नशा न सिर्फ व्यक्ति का जीवन बर्बाद करता है बल्कि सोचने-समझने की शक्ति खत्म कर शारीरिक बीमारियों को भी जन्म देता है। संस्थान के



कलादल सचिव राजकुमार दास ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी तेजी से नशे की आदी हो रही है। इससे उनका जीवन अंधकार की ओर जा रहा है और परिवारों में कलह

बढ़ रही है। उन्होंने ग्रामीणों, बड़े-बुजुर्गों और युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की। नुक्कड़ नाटक में राजकुमार दास, कालीचरण राजवार (फौजी),

सुनिधि कुमारी, उत्तम कुमार, गौतम कुमार, करण कुमार, लक्ष्मी कुमारी, नवीन कुमार, जगदीश महतो, प्रिया कुमारी आदि कलाकारों ने भाग लिया।

सिंदरी में 'एकता दिवस' के रूप में मनी राय दा की जयंती

फासीवादी ताकतों से लड़ने को उनके रास्ते पर चलना होगा-आनंद महतो

नवप्रदेश/सिंदरी। झारखंड के जननेता, मजदूरों के मसीहा और पूर्व सांसद कॉमरेड अरुण कुमार राय 'राय दा' की जयंती सोमवार को सिंदरी में 'एकता दिवस' के रूप में मनाई गई। भाकपा माले सिंदरी ने राम कमेटी के तत्वावधान में पीडीआईएल मुख्य द्वार गोलंबर स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि



कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत भाकपा माले पोलित ब्यूरो सदस्य सह पूर्व विधायक आनंद महतो ने राय दा के

चित्र पर पुष्प अर्पित कर की। इसके बाद सैकड़ों कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने श्रद्धा-सुमन अर्पित किए।

शोषण मुक्त समाज के लिए लड़ी लंबी लड़ाई.....

सभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक आनंद महतो ने कहा कि ए.के. राय सादगी, ईमानदारी और जन-संघर्ष के प्रतीक थे। उन्होंने कहा, श्राय दा हमेशा श्रमजीवियों के हितैषी रहे। धनबाद आगमन के समय कोयलांचल में माफिया राज और मजदूरों का शोषण चरम पर था। उस व्यवस्था को उखाड़ फेंकने के लिए उन्होंने लंबी लड़ाई लड़ी,

इसलिए वे सामाजिक क्रांति के नायक कहलाए। आनंद महतो ने मौजूदा राजनीतिक हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि देश में फासीवादी शक्तियों के उभार से मुकाबले के लिए राय दा के दिखाए रास्ते पर चलना होगा। उन्होंने कहा कि एकजुट संघर्ष से ही इन ताकतों को परास्त किया जा सकता है और आज की युवा पीढ़ी को उनके सिद्धांतों का अनुसरण करना चाहिए।

ये रहे मौजूद...

कार्यक्रम में नगर सचिव

राजीव मुखर्जी, सुरेश प्रसाद, छोटन चटर्जी, विधायक प्रतिनिधि शीतल दत्ता, हीरालाल मोदक, विजय रजक, मुखिया राजाराम रजक, सुनील महतो, निपेद झा, विमल रवानी, शुभम सिंह समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और कार्यकर्ता शामिल हुए।गौरतलब है कि राय दा ने सिंदरी के पीडीआईएल में अभियंता के रूप में अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की थी और तीन बार धनबाद से सांसद रहे।

एक नजर

लोयाबाद में टीबी जांच शिविर के दौरान हंगामा,सीएचओ-सहिया आमने-सामने

नवप्रदेश/लोयाबाद। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में सोमवार को टीबी जांच शिविर के दौरान सीएचओ प्रवीण कुमार और सहिया कर्मियों में जमकर नोकझोंक हुई। दरअसल, सीएचओ के देर से पहुंचने पर अस्पताल का मुख्य गेट बंद था। किसी ने बंद गेट को तस्वीर प्रभारी को भेज दी। इस पर पूछताछ होने से नाराज सीएचओ की सहिया एकता कुमारी व नीतू चौधरी से बहस हो गई। सहिया एकता कुमारी ने सीएचओ प्रवीण कुमार और इंचार्ज प्रभारी अनुप कुमार पर महिला मरीजों की अनुचित जांच व दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। सहिया कर्मियों ने इंचार्ज प्रभारी को हटाने की मांग की। वहीं सीएचओ व प्रभारी ने आरोपों को बेबुनियाद बताया। चिकित्सक डॉ. अमृत ने कहा कि मारपीट नहीं हुई, मामूली विवाद था। दोनों पक्षों से लिखित स्पष्टीकरण मांगा गया है। एमओ सदर अनीता चौधरी ने शिकायत मिलने पर जांच व कार्रवाई की बात कही। शिविर में अब तक 50 लोगों की जांच व एक्स-रे हो चुका है।

लोयाबाद में बॉसजोड़ा गोलीकांड को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन, आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

नवप्रदेश/लोयाबाद। बॉसजोड़ा गोलीकांड के नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सोमवार को लोयाबाद स्थित बॉसजोड़ा एवं निश्चिंतपुर मैदान में चार गांवों के ग्रामीणों ने बैठक कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने हाथों में तख्तियां लेकर आजसू पार्टी और उसके कार्यकर्ताओं के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।जिएएम नेता सह मोहलीडीह पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि आजाद मुखिया, जिला परिषद सदस्य मो. इजराफिल उर्फ लाला एवं युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष विशाल महतो के संयुक्त नेतृत्व में आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से आरोपी हीरालाल महतो एवं प्रदीप महतो की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। साथ ही आजसू जिला अध्यक्ष मंदू महतो की कॉल डिटेल्स की जांच कराने की भी मांग उठाई गई।नेताओं ने बताया कि गत 20 मई को बॉसजोड़ा बस्ती में आजसू नेत्री रजनी रवानी ने नेतृत्व में हुई घटना के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता किशुन रवानी को गोली लगने से मौत हो गई थी। आरोप है कि इस मामले के नामजद आरोपी हीरालाल महतो एवं प्रदीप महतो अब भी खुलेआम घूम रहे हैं और पुलिस उन्हें गिरफ्तार नहीं कर पाई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि दोषियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो गांव से शहर तक चरगाबद्ध आंदोलन किया जाएगा। आंदोलन के तहत मशाल जुलूस, एक दिवसीय धरना तथा विरोध प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। ग्रामीणों ने घटना की सीबीआई से निष्पक्ष जांच कराने की भी मांग की है। नेताओं ने आरोप लगाया कि मामले के पीछे बड़ी साजिश है।बैठक में निशा देवी, फूल देवी, काजल देवी, सुलोचना देवी, सोनी देवी, बुद्धिा देवी, सुराग देवी, राधा देवी, हेमंती देवी, मिथुन महतो, सोनू महतो, अभिषेक सिंह, उत्तम सिंह, भैरो प्रमाणिक, रूपेश रवानी, सुनील रवानी, अनिल रवानी, सोना उरांव, राजेश तुरी, उमेश प्रमाणिक, विनोद महतो सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुष उपस्थित थे।

झरिया में सूर्यदेव सिंह की 35वीं पुण्यतिथि पर उमड़ा जनसीलाब, अमर रहें के नारों से गूंजा कतरास मोड़

नवप्रदेश/झरिया। मजदूर नेता एवं झरिया के पूर्व विधायक स्व. सूर्यदेव सिंह की 35वीं पुण्यतिथि सोमवार को श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कतरास मोड़ स्थित उनकी आदमकद प्रतिमा व कार्यालय परिसर में श्रद्धांजलि देने के लिए सुबह से ही जनसीलाब उमड़ पड़ा।इ कार्यक्रम की शुरुआत स्व.सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। झरिया की पूर्व विधायक कुंती सिंह,बहू एवं वर्तमान विधायक सह जनता श्रमिक संघ की महामंत्री रागिनी सिंह, मेयर संजीव सिंह व परिजनों ने पुष्पांजलि अर्पित की। वहीं कतरास मोड़ कार्यालय में धनबाद के पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह,धनबाद विधायक राज सिन्हा सहित कई जनप्रतिनिधियों व संगठनों के नेताओं ने स्व. सिंह की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान पूरा क्षेत्र वीर सूर्यदेव सिंह अमर रहें के नारों से गूंज उठा। दूर दराज से पहुंचे मजदूरों व समर्थकों ने अश्रुपूरित नेत्रों से अपने प्रिय नेता को याद किया।किसान परिवार में जन्मे सूर्यदेव सिंह ने विधायक रहते हुए झरिया के विकास और मजदूरों के हक की आवाज बुलंद की। दिग्गज नेता से लेकर आम मजदूर तक आज भी उन्हें अपना मसीहा मानते हैं। पिछले 35 वर्षों से उनकी पुण्यतिथि मजदूर वर्ग के लिए विशेष महत्व रखती है।

धनबाद में असम की युवती से छेड़खानी का आरोप, एक हिरासत में

नवप्रदेश/धनबाद। काम दिलाने के बहाने फ्लैट में ले जाकर असम की युवती से छेड़खानी और दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने एक आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया, जबकि दूसरा फरार है। मामला गोविंदपुर थाना क्षेत्र के भूईफोड़ मॉडर स्थित आपणी घर सोसाइटी का है। असम निवासी युवती अपनी सहेलियों के साथ मुंबई जा रही थी। धनबाद स्टेशन पर ट्रेन छूटने के कारण वह दो दिनों से स्टेशन परिसर में ही रह रही थी। इसी दौरान स्टेशन के पास होटल में कार्यरत राजू साव से उसकी मुलाकात हुई। आरोप है कि राजू साव ने युवती को घरेलू काम दिलाने का झांसा देकर गोविंदपुर के एक फ्लैट में भेज दिया। पीड़िता के अनुसार, फ्लैट में सफाई के दौरान मालिक अक्षय अग्रवाल ने उसके साथ अश्लील हरकत की और जबरन संबंध बनाने का प्रयास किया। विरोध करने पर उसे शराब पिलाने की कोशिश थी की गई।युवती किसी तरह फ्लैट से निकलकर शोर मचाने लगी। शोर सुनकर जुटे सोसाइटी के लोगों ने राजू साव को दबोच लिया, जबकि उसका साथी मौके से भाग निकला।सूचना पर पहुंची गोविंदपुर पुलिस ने फ्लैट की तलाशी ली, जहां से शराब की बोतलें बरामद हुई हैं। पुलिस ने राजू साव को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। फरार आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस के मुताबिक पीड़िता मानसिक रूप से आहत है, जिसके चलते विस्तृत बयान दर्ज नहीं हो सका है। उसका मोबाइल भी गुम हो गया है, जिससे परिजनों से संपर्क नहीं हो पा रहा। पुलिस का कहना है कि बयान के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

आधार सेवाओं में पारदर्शिता लाने को लेकर डीसी सख्त, समाहरणालय में खुलेगा नया सेवा केंद्र

नवप्रदेश/धनबाद। आधार नामांकन और अद्यतन कार्यों में तेजी लाने तथा अवैध वसूली पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। सोमवार को समाहरणालय में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में जिला आधार निगरानी समिति की सप्ताहिक बैठक हुई।बैठक में उपायुक्त ने सभी सीडीपीओ एवं लेडी सुपरवाइजर को अपने-अपने क्षेत्र की मासिक प्रगति रिपोर्ट अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि लाघुकों के आधार में मोबाइल नंबर अपडेट का कार्य प्राथमिकता पर पूरा किया जाए, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में नागरिकों को असुविधा न हो।उपायुक्त ने जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय परिसर में एक नया आधार सेवा केंद्र स्थापित करने का आदेश दिया। इस केंद्र पर आधार संबंधी सेवाओं के साथ-साथ आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) कार्ड बनाने की सुविधा भी मिलेगी।आधार केंद्रों पर दलालों की सक्रियता और अवैध वसूली पर अंकुश लगाने के लिए उपायुक्त ने सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया।सभी प्रखंड,आंगनबाड़ी केंद्र एवं बीआरसी परिसर में संचालित आधार सुधार केंद्रों के बाहर वॉल राइटिंग कराई जाएगी। इसमें उपायुक्त,संबंधित बीडीओ और लेडी सुपरवाइजर के मोबाइल नंबर अंकित होंगे।उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि यदि कोई कर्मी निर्धारित शुल्क से अधिक राशि मांगता है तो आमजन तुरंत इन नंबरों पर शिकायत दर्ज करा सके।बैठक में आधार नामांकन केंद्रों की कार्यप्रणाली, कार्यप्रमिटिक अद्यतन और लॉन्चिंग मामलों की भी गहन समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी विभागों को लक्ष्य के अनुरूप कार्य कर आमजन को बेहतर सेवाएं देने के निर्देश दिए।बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा,जिला आपूर्ति पदाधिकारी पंकज कुमार,डीपीओ यूआईडी अमित सिंह,साथयक मैनेजर हवोवर सिंह, हेड पोस्टमार्केट सहित समाज कल्याण एवं सिविल सर्जन कार्यालय के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कुएं से युवक का शव बरामद, सड़क हादसे में एक की मौत

नवप्रदेश/सतगावां। रविवार का दिन सतगावां प्रखंड के लिए बेहद दुःखद साबित हुआ। एक ओर कुएं से मिले अज्ञात शव की पहचान होने के बाद हत्या की आशंका जताई गई है, वहीं दूसरी ओर ट्रक और बाइक की टक्कर में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों घटनाओं से क्षेत्र में शोक का माहौल है।

कुएं से मिले शव की हुई पहचान, हत्या की आशंका

थाना क्षेत्र के टेहेरो पंचायत अंतर्गत मट्कडीह सीताअहरी नंदुडीह मार्ग स्थित एक कुएं से रविवार शाम बरामद अज्ञात शव की पहचान बरियारडीह राउतडीह निवासी नीतीश कुमार 29 वर्ष पिता शंकर शर्मा के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार शाम राहगीरों ने कुएं में शव होने की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी बबलू कुमार सिंह



पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद देर रात शव को कुएं से बाहर निकाला गया। शव काफी सड़ गल चुका था जिससे उसकी पहचान तत्काल नहीं हो सकी। बाद में परिजनों ने कपड़ों और चपल के आधार पर उसकी पहचान की। मृतक के पिता शंकर

सिंह ने थाने में लिखित आवेदन देकर हत्या की आशंका जताई है। उन्होंने बताया कि नीतीश कुमार बीमार चल रहा था और घर पर ही रहता था।वहीं 12 जून की रात करीब 10 बजे के बाद वह घर से लापता हो गया था। काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चला जिसके बाद 14 जून को

थाना में सनहा दर्ज कराया गया था। शव मिलने और पहचान होने के बाद सोमवार को अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या कर शव कुएं में फेंकने का मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

ट्रक और बाइक की

टक्कर में युवक की मौत

मोड़ें थाना क्षेत्र के घोड़सीमर मोड़ के समीप रविवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दीपक कुमार 30 वर्ष निवासी गाजेडीह की मौके पर ही मौत हो गई।प्राप्त

नशे के कारोबार पर चला प्रशासन का डंडा, मरकच्चो में छापेमारी कर वसूला जुमाना

नवप्रदेश/मरकच्चो। झारखंड सरकार के नशामुक्ति अभियान को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से मरकच्चो अंचलाधिकारी परमेश्वर कुशवाहा ने प्रशासनिक टीम के साथ प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में सघन छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान ग्राम नावाडीह-एक, गुरहा एवं बरियारडीह स्थित कई दुकानों की जांच की गई। छापेमारी के दौरान कई दुकानों से खैनी एवं गुटखा बरामद किया गया। प्रतिबंधित मादक पदार्थों की विक्री करते पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों से कुल 2400 रुपये जुमाना वसूला गया। साथ ही सभी दुकानदारों को कड़ी चेतावनी देते हुए भविष्य में खैनी, गुटखा अथवा अन्य नशीले पदार्थों की विक्री नहीं करने का निर्देश दिया गया। अंचलाधिकारी परमेश्वर कुशवाहा ने कहा कि झारखंड सरकार मादक पदार्थों पर रोक लगाने और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जिला समाज कल्याण विभाग, कोडरमा द्वारा संचालित रहम सबका एक ही नारा, नशामुक्ति जीवन हमाराह अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज की भी प्रभावित करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि लोगों को जागरूक कर नशामुक्त समाज की स्थापना करना है। अभियान के दौरान क्षेत्र के लोगों से भी नशामुक्ति आंदोलन में सक्रिय सहयोग करने की अपील की गई।

रोटरी क्लब के निशुल्क हस्त लेखन, अवेकस और वैदिक गणित प्रशिक्षण कार्यक्रम में बच्चे और अभिभावक दिखा रहे विशेष रुचि

विभिन्न प्रशिक्षण का यह मंच बच्चों को नई दिशा दिखाता है, आज की आवश्यकता भी है – निरंजन साव



पश्चिम सिंहभूम/चाईबासा।

रोटरी क्लब चाईबासा के तत्वावधान में मारवाड़ी मध्य विद्यालय (छोटा रूंगटा स्कूल) परिसर में साप्ताहिक हस्तलेखन सुधार प्रशिक्षण और गणितीय अबाकस प्रशिक्षण की कक्षाएं निशुल्क रूप से संचालित की जा रही है उपरोक्त कार्यक्रम के संयोजक के रितेश मुंदड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम पिछले दो वर्षों से निरंतर चल रहा है, जिसमें अभिभावकों ने विशेष रुचि लेकर अपने बच्चों को नामांकित करवाया है, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के लेखन शैली में सुधार और उन में बौद्धिक क्षमता का विकास करना है , प्रसिद्ध समाजसेवी रोटरीयन निरंजन सावने आज इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का अवलोकन किया और कार्यक्रम की प्रशंसा की.कार्यक्रम की सहभाग्योजिका रोटरीयन शीतल मुंदड़ा ने भी कार्यक्रम की सफलता के लिए विशेष प्रयास किए हैं, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हस्त लेखन को कला के रूप में विकसित करने का प्रयास सेवानिवृत्त शिक्षक अरुण प्रसाद के द्वारा किया जा रहा है, विद्यालय के प्रधानाध्यापक रोटरीयन निर्मल त्रिपाठी ने भी इस कार्यक्रम के लिए अपना सहयोग प्रदान किया है, क्लब के अध्यक्ष विकास दोदराजका ने बताया कि रोटरी लिटरेसी मिशन के अंतर्गत ऐसे कार्यक्रमों के द्वारा शिक्षा का व्यापक प्रचार प्रसार करना और अधिक से अधिक लोगों को शिक्षित करना है.

इग्नू में जुलाई 2026 सत्र में नामांकन शुरू

नवप्रदेश/कोडरमा। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में जुलाई 2026 सत्र के लिए नामांकन शुरू हुई। नामांकन की तिथि 15 जुलाई 2026 तक है। छात्र ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग और ऑनलाइन मोड के तहत विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 15 जुलाई 2026 तक नामांकन ले सकते हैं। इग्नू द्वारा डिप्लोमा, अंडरग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट, सर्टिफिकेट और पीजी डिप्लोमा जैसे कई कोर्सज ऑफर किए जाते हैं, जिनमें अब इच्छुक अभ्यर्थी तय समय सीमा तक ऑनलाइन नामांकन ले सकते हैं। छात्र 15 जुलाई 2026 तक विभिन्न पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन या डिस्टेंस लॉर्निंग मोड से दाखिला ले सकते हैं। इग्नू जुलाई 2026 सत्र में छात्रों को 300 से अधिक कोर्सेस में दाखिला लेने का सुनहरा अवसर दे रही है। इनमें 48 अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम और 75 पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम शामिल हैं। इसके साथ ही डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और अवेयरनेस प्रोग्राम्स की भी विस्तृत श्रृंखला मौजूद है। यह जानकारी इग्नू स्टडी सेंटर जेजे कॉलेज की समन्वयक डॉ निरकहत परवीन ने दी।

चंद्रवंशी विकास मंच की मासिक बैठक संपन्न, अर्धनिर्मित बाउंड्री वाल को पूर्ण कर भवन निर्माण पर जोर

छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की रक्षा के लिए जे जे कॉलेज सहित कोडरमा जिले के तमाम डिग्री कॉलेज को विनोबा भावे विश्वविद्यालय में ही रहने दिया जाय : मंच

नवप्रदेश/कोडरमा। चंद्रवंशी विकास मंच कोडरमा की मासिक बैठक रविवार को कमिटी सदस्य दीपक कुमार सिंह के आवास पर मुख्य संरक्षक रामेश्वर राम रवानी,



उमेश राम, बीरेंद्र राम, जय प्रकाश राम, ओम प्रकाश राम की उपस्थिति में अध्यक्ष दीपक कुमार रवानी की अध्यक्षता एवं सचिव महेश भारती

के संचालन में संपन्न हुई। बैठक में सर्व प्रथम सभी सदस्य एक साथ राष्ट्रगान से शुरू किया गया। वही बैठक में उपस्थित सदस्यों ने चिंता

जाहिर करते हुए कहा कि कोडरमा जिला के एक मात्र अंगीभूत जे जे कॉलेज सहित अन्य डिग्री कॉलेज को विनोबा भावे विश्वविद्यालय

हजारीबाग से हटा कर सर जेसी बॉस विश्वविद्यालय गिरिडीह में भेजे जाने का झारखंड सरकार का निर्णय दुर्भाग्यपूर्ण एवं जिले वासियों के साथ अन्याय है।इससे भी बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्थानीय जनप्रतिनिधि की भी मंशा जनभावना के प्रति नाकारात्मक है जिससे आम जनता में भी भारी आक्रोश है।जिला में छात्र छात्राओं पर आए भारी संकट जिससे उच्च शिक्षा से वंचित एवं अविभावकों पर थोपे गए आर्थिक बोझ के खिलाफ जे जे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति कोडरमा के द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन का

एक नजर

सांसद सेवा जारी: जरूरतमंद परिवारों को उपलब्ध कराई गई श्राद्ध सहयोग सामग्री



नवप्रदेश/चौपारण। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल द्वारा जरूरतमंद एवं पीड़ित परिवारों के सहयोग का कार्य लगातार जारी है। इसी क्रम में बरही विधानसभा क्षेत्र के चौपारण प्रखंड अंतर्गत दो गरीब परिवारों को श्राद्ध सहयोग सामग्री उपलब्ध कराई गई। जानकारी के अनुसार, सेलहारा कला पंचायत के ग्राम सेलहारा कला निवासी स्वर्गीय अनिल कुमार, पिता महावीर भोक्ता, के परिवार को श्राद्ध सामग्री प्रदान की गई। अनिल कुमार की मृत्यु ट्रैक्टर दुर्घटना में हो गई थी। वे ट्रैक्टर चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे और परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे। उनके निधन के बाद परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा है। वहीं बरहमौरिया पंचायत के रतनगुर गांव निवासी स्वर्गीय लखन भुइयां, पिता गाजो भुइयां, के परिवार को भी श्राद्ध सहयोग सामग्री दी गई। लखन भुइयां का निधन गंभीर बीमारी के कारण हुआ था। वे मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे तथा घर के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे। सांसद मनीष जायसवाल की ओर से दोनों परिवारों को आवश्यक श्राद्ध सामग्री उपलब्ध कराकर आर्थिक एवं सामाजिक सहयोग प्रदान किया गया। इस अवसर पर बरही विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव, मंडल सांसद प्रतिनिधि रिशु वर्णवाल, महामंत्री सह मुखिया प्रवीण सिंह, मंडल उपाध्यक्ष अरविंद कुमार साव, किसान मोर्चा अध्यक्ष नागेंद्र पांडेय, मंडल महामंत्री बालेश्वर साव, रंजीत भुइयां, मुकेश सिंह, संजय रविदास, अवध राणा सहित कई ग्रामीण एवं पीड़ित परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

रथयात्रा को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प तैयारियों पर वृहद बैठक



नवप्रदेश/चौपारण। आगामी जुलाई में आयोजित होने वाली तीन दिवसीय श्री जगन्नाथ रथयात्रा के चौथे आयोजन को भव्य बनाने के लिए शनिवार देर शाम सियरकोनी स्थित वैद्यनाथ नगर के श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर में रथयात्रा प्रबंधन समिति की वृहद बैठक हुई। बैठक में चौपारण, इटखोरी, मयूरहंड और बरही क्षेत्र से लगभग 500 प्रबुद्धजन एवं प्रतिनिधि शामिल हुए। मुख्य अतिथि विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि चौपारण की रथयात्रा झारखंड के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में अपनी अलग पहचान बना चुकी है। उन्होंने आयोजन समिति को हरसंभव सहयोग का भरोसा देते हुए कहा कि युवाओं के प्रयास से सनातन संस्कृति को नई मजबूती मिल रही है। बैठक की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष हरिश्चंद्र सिंह ने की। उन्होंने बताया कि रथयात्रा की सफलता के लिए गांव-गांव जनसंपर्क और प्रचार अभियान चलाया जा रहा है। समिति सचिव राजदेव यादव ने सामूहिक सहयोग की अपील की, जबकि रथयात्रा संयोजक अभिषेक सिंह ने तीन दिवसीय कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उपाध्यक्ष संजय सिंह और कोषाध्यक्ष मुनेश्वर गुप्ता ने भी जनसहयोग को आयोजन की सफलता का आधार बताया। चतरा जिला परिषद उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी ने कहा कि हर वर्ष चतरा और हजारीबाग से बड़ी संख्या में श्रद्धालु रथयात्रा में शामिल होते हैं। बैठक में कई जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सुझाव दिए। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने रथयात्रा को ऐतिहासिक बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। सियरकोनी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर से मौसीबाड़ी विगहा तक निकलने वाली रथयात्रा में इस वर्ष एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना जताई गई है।

लापता युवती को पुलिस ने उत्तर प्रदेश से सकुशल बरामद किया , परिजनों को सौंपा गया

नवप्रदेश/चौपारण। थाना क्षेत्र से लापता हुई एक 20 वर्षीय युवती को चौपारण पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान एवं गहन छानबीन के आधार पर उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से सकुशल बरामद कर लिया। थाना प्रभारी पंकज कुमार ने इस सबब में बताया कि युवती के लापता होने की शिकायत 4 जून 2026 को चौपारण थाना में लिखित आवेदन दिया गया था, जिसके आधार पर चौपारण थाना कांड संख्या 146/26 दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई थी। मामले के अनुसंधानकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक सुनील कुमार ने तकनीकी साध्यों और लगातार की गई छानबीन के आधार पर युवती का पता लगाते हुए उसे शाहजहांपुर ,उत्तर प्रदेश से सकुशल बरामद किया। बरामदशी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए पुलिस को मानवीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय की प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत युवती को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। इस सफल कार्रवाई को लेकर चौपारण पुलिस की तत्परता और सक्रिय अनुसंधान की सराहना की जा रही है।

बीसीसीएल कर्मी की मौत, पुत्र को मिला प्रोविजनल नियोजन



बाघमारा। बीसीसीएल बरोरा एरिया के एएमपी कोलियरी में कार्यरत डंपर ऑपरेटर रिबु रवानी (54) की मौत रविवार को कोलकाता के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान हो गया। वह डुमरा जमुआर्टांड बस्ती का निवासी था। उसके दो पुत्र एक पुत्री है। परिजनों के अनुसार 6 अप्रैल को दयुटी के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ी। 7 अप्रैल को हालत गंभीर होने पर उन्हें कोलकाता ले जाया गया। इसके बाद वे 18 अप्रैल तक एचसीजी कोलकाता, फिर केंद्रीय चिकित्सालय धनबाद और 21 अप्रैल से 25 मई तक दोबारा एचसीजी इन्को कैंसर सेंटर में भर्ती रहे। 26 मई को फिर केंद्रीय चिकित्सालय धनबाद लाया गया। 8 जून को हालत बिगड़ने पर तीसरी बार एचसीजी कोलकाता रेफर किया गया, जहां 14 जून की रात उनका निधन हो गया। कर्मी की मौत के बाद परिजन अस्पताल से शव के लेकर जीएम कार्यालय पहुंचे और आश्रित को नियोजन व मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर एटक नेताओं एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने पहुंचकर आंदोलन का समर्थन किया और बीसीसीएल प्रबंधन से शीघ्र नियोजन देने की मांग की। जिसपर प्रबंधन ने असहमति जताई. चक्का जाम की चेतावनी पर प्रबंधन ने मृतक के छोटा पुत्र रिंकू कुमार रवानी को प्रोविजनल नियुक्ति पत्र दिया। अन्य बकाया भुगतान का आश्वासन भी मिला। मौके पर स्थूिनय प्रतिनिधि जेके झा, संतोष गौराई, मंगल हैमब्रम, संजय कुमार सिंह, देवानंद राजभर, नर्मदेश्वर पांडेय, उदय शंकर चौहान, देवनाथ चौहान, उमाकांत राय, संमुर आलम, धर्मेद शर्मा, नन्दलाल रवानी, महेंद्र रवानी बिनोद रवानी आदि मौजूद थे।

विद्यालय से बाहर दिव्यांग बच्चों के लिए 15 से 24 जून तक विशेष नामांकन अभियान चलेगा : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता

दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने एवं शत. प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने को लेकर जिला स्तरीय बैठक आयोजित



नवप्रदेश/कोडरमा। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में विद्यालय से बाहर दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में शैक्षणिक सत्र 2026. 27 के दौरान विद्यालय से बाहर रह रहे दिव्यांग बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करने हेतु 15 जून 2026 से 24 जून 2026 तक ह्र्रविशेष नामांकन अभियानह्ह चलाने का निर्देश जिला शिक्षा अधीक्षक को दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले के प्रत्येक दिव्यांग बच्चे तक शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित करना तथा उन्हें विद्यालयी शिक्षा से जोड़ना है। उन्होंने निर्देश दिया कि कोई भी विद्यालय किसी बच्चे को उसकी दिव्यांगता के आधार पर प्रवेश देने से इंकार न करे। साथ ही समाज में दिव्यांगता को लेकर फैली ध्रांतियों को दूर करने एवं अभिभावकों को जागरूक करने पर बल दिया, ताकि वे अपने बच्चों को शिक्षा से जोड़ सकें और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें। उपायुक्त ने कहा कि विशेष नामांकन अभियान के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि जिले का कोई भी दिव्यांग बच्चा विद्यालयी शिक्षा से वंचित न रहे। अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक बच्चों तक इसकी जानकारी पहुँचाई जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि अभियान प्रारंभ होने पर प्रत्येक विद्यालय अपने पोषक क्षेत्र में डहर पोर्टल के माध्यम से कराए गए शिशु पंजी सर्वेक्षण में निहित विद्यालय से बाहर दिव्यांग बच्चों के आंकड़ों का सत्यापन कर उनका नामांकन सुनिश्चित करे। यदि कोई बच्चा सर्वेक्षण में शामिल नहीं हो पाया है, तो उसकी भी पहचान कर सूची तैयार की जाए तथा निरकटम विद्यालय में उसका नामांकन कराया जाए।

मारपीट मामले का नामजद अभियुक्त गिरफ्तार न्यायिक हिरासत में भेजा गया

नवप्रदेश/चौपारण। चौपारण थाना पुलिस ने थाना कांड संख्या 163/25 के एक नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान असीम राजा पिता-कलीमुद्दीन साह, निवासी ग्राम चक्कला, थाना चौपारण, जिला हजारीबाग के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2025 में मुहर्रम पर्व के बाद चक्कला गांव में दो पक्षों के बीच आपसी विवाद को लेकर मारपीट और झड़प की घटना हुई थी। घटना के बाद दोनों पक्षों की ओर से

शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके आधार पर चौपारण थाना में कांड संख्या 163/25 दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान असीम राजा का नाम सामने आया था और उन्हें इस कांड में नामजद अभियुक्त बनाया गया था। पुलिस द्वारा लगातार मामले की जांच की जा रही थी तथा आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे थे। इसी क्रम में चौपारण थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए असीम राजा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे

न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना पुलिस ने बताया कि मामले से जुड़े अन्य बिंदुओं की भी जांच जारी है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आपराधिक मामलों में सलियन व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। पुलिस ने लोगों से

शांति एवं सौहार्द बनाए रखने तथा किसी भी विवाद की स्थिति में कानून का सहारा लेने की अपील की है।

सीएम ने 31.20 करोड़ की एक्वा पार्क परियोजना का किया शिलान्यास

नवप्रदेश/आरा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज भोजपुर जिले के आरा पहुंचे, जहां उन्होंने उदवंतनगर प्रखंड के कारीसाथ क्षेत्र में प्रस्तावित समेकित एक्वा पार्क परियोजना का शिलान्यास किया। इस दौरान उनके साथ राज्य के डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन मंत्री ललन सिंह तथा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण शंकर प्रसाद भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने शिलान्यास के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य सरकार की विकास योजनाओं और कानून-व्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें कहीं।मुख्यमंत्री ने भोजपुर



जिले के मसाढ़ गांव स्थित कारीसाथ क्षेत्र में करीब 32 एकड़ भूमि पर 3120.92 लाख रुपये (लगभग 31.20 करोड़ रुपये) की लागत से बनने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना को आधारशिला रखी। इस परियोजना का नाम 'वाणापुर मत्स्य बीज

प्रक्षेत्र, कारीसाथ, उदवंतनगर' रखा गया है। यह परियोजना प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत विकसित की जा रही है, जिसे भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय से प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त है।अपने संबोधन में

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार सरकार मत्स्य पालन और जलकृषि क्षेत्र को आधुनिक तकनीक से जोड़कर किसानों और मत्स्य पालकों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि एक्वा पार्क परियोजना के शुरू होने से बिहार में मत्स्य उत्पादन को नई गति मिलेगी और राज्य आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ेगा। साथ ही स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर भी अपनी सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि बिहार में अपराधियों के खिलाफ लगातार

कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा, हूबिहार में जितने अपराधी हैं, वे बिहार छोड़ रहे हैं। कोई नेपाल भाग रहा है तो कोई उत्तर प्रदेश भाग रहा है। यहां बिहार पुलिस उन्हें खोज रही है और वहां योगी बाबा खोज रहे हैं। मुख्यमंत्री के इस बयान पर जनसभा में मौजूद लोगों ने तालियों के साथ प्रतिक्रिया दी।जानकारी के अनुसार, इस समेकित एक्वा पार्क परियोजना के अंतर्गत कुल 17 अत्याधुनिक अवयवों का विकास किया जाएगा। इनमें कार्प हैचरी, आरएएस (रीसकुलेंटिंग एक्वाकल्चर सिस्टम), फिश

फीड मिल, जल गुणवत्ता जांच प्रयोगशाला, मछलियों की स्वास्थ्य जांच प्रयोगशाला, प्रशासनिक भवन सहित कई आधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी। इन सुविधाओं के माध्यम से मत्स्य उत्पादन, अनुसंधान, प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता को बढ़ावा मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना बिहार के मत्स्य क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित हो सकती है। आधुनिक तकनीकों के उपयोग से मत्स्य बीज उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार होगा, जिससे राज्य के मत्स्य पालकों को बेहतर लाभ मिल सकेगा।

शराब कांड के प्राथमिकी अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नवप्रदेश/असुर्यपुर। पुलिस ने शराब कांड के एक प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा। गिरफ्तार अभियुक्त बलिहार निवासी राजा सिंह, पिता सूर्यदेव सिंह के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने बताया कि थाना कांड संख्या 145/25 में नामजद अभियुक्त राजा सिंह को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि अभियुक्त पूर्व में भी शराब कारोबार से जुड़े मामले में जेल जा चुका है। सगाई के दिन ही पैसेंजर ट्रेन से कटकर युवक की हुई मौत बेतिया। यह अज्ञात विडंबना है कि मौत कैसेआती है,इसका किसी को पता नहीं।मौत तो जीवनलीला को ही समाप्त कर देती है,चाहे इस दुनिया में कोई भी काम करना बाकी रह जाए। इसी क्रम में,एक मौत के बारे में संवाददाता को पता चला है कि बगहा पुलिस जिला के बथरिया थाना क्षेत्र के खरवाशाही जमुनिया.वाई 8 निवासी बुजमोहन यादव के 24 वर्षीय पुत्र,राजू यादव की मौत पैसेंजर ट्रेन से कट कर हो गई है।

जेएलएनएमसीएच में पोस्टमार्टम व्यवस्था चरमराई

नवप्रदेश/भागलपुर। बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था में रेफरल सिस्टम की गंभीर खामियां उजागर हुई हैं। भागलपुर के जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल (जेएलएनएमसीएच) में हालात ऐसे हो गए हैं कि अब पोस्टमार्टम के लिए शवों का अंबार लगने लगा है। आरोप है कि अनुमंडल और जिला अस्पतालों में छोटे मामलों और सामान्य परिस्थितियों में हुई मौतों को भी क्रिटिकल केस बताकर मायागंज रेफर कर दिया जाता है। इसके चलते जेएलएनएमसीएच के पोस्टमार्टम हाउस पर अत्यधिक दबाव बढ़ गया है। स्थिति यह है कि मृतकों के परिजनों को पोस्टमार्टम कराने के लिए कई-कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। अपनों को खाने के दुख के बीच उन्हें मानसिक प्रताड़ना और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। समय पर पोस्टमार्टम नहीं होने से अंतिम संस्कार की प्रक्रिया भी प्रभावित हो रही है।

मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

नवप्रदेश/बिक्रमगंज। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से बिक्रमगंज थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बिक्रमगंज थाना में थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बैठक की अध्यक्षता की। इन बैठकों में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों को सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मुहर्रम का जुलूस केवल प्रशासन द्वारा निर्धारित मार्ग से ही निकाला जाएगा। सभी उपस्थित लोगों को नियमों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया गया, ताकि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो।थानाध्यक्षों ने लोगों से अपील की कि यदि पर्व के दौरान किसी भी स्थान पर असामाजिक तत्वों द्वारा माहौल बिगाड़ने या जुलूस में बाधा डालने का प्रयास किया जाता है, तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी जाए। उन्होंने कहा कि समय रहते ऐसी सूचना मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जा सकेगी। बैठक में यह भी बताया गया कि जिला स्तर पर सोशल मीडिया की लगातार निगरानी की जा रही है।

मसाढ़ में 31 करोड़ से बनेगा वानासुर मत्स्य बीज प्रक्षेत्र

नवप्रदेश/पटना। बिहार में मत्स्य पालन को नई ऊंचाई देने और राज्य को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भोजपुर जिले के मसाढ़ गांव स्थित करीसाथ क्षेत्र में करीब 32 एकड़ भूमि पर 'वानासुर मत्स्य बीज प्रक्षेत्र' के निर्माण की योजना तैयार की है। यह महत्वाकांक्षी परियोजना लगभग 31.20 करोड़ रुपये की लागत से विकसित की जाएगी। यह परियोजना केंद्र सरकार की 'प्रधानमंत्री मत्स्य पालन योजना' के अंतर्गत विकसित की जा रही है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में मत्स्य उत्पादन को नई गति देना और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करना है। इस एकीकृत मत्स्य परियोजना के तहत कुल 17 विभिन्न प्रकार के दस्तावेजों/सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इसमें कार्प हैचरी, आरएएस फिश फीड मिल, जल गुणवत्ता जांच प्रयोगशाला और मछली स्वास्थ्य जांच प्रयोगशाला जैसी आधुनिक मशीनें और सुविधाएं शामिल होंगी। इन सुविधाओं के माध्यम से राज्य में मत्स्य पालन के क्षेत्र में अनुसंधान, तकनीकी सहायता और उच्च गुणवत्ता वाले मत्स्य बीज उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना बिहार के मत्स्य क्षेत्र के लिए 'मील का पत्थर' साबित होगी। आधुनिक तकनीक के उपयोग से मत्स्य बीज की गुणवत्ता में सुधार होगा।

16 से 18 जून तक प्रखंड सहयोग–सह–जन कल्याण शिविर का भी होगा आयोजन

नवप्रदेश/बेतिया। पश्चिम चम्पारण जिले में आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ सुलभ कराने तथा उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा 16 जून को जिले की चरबनित पंचायतों में तीसरे चरण का सहयोग शिविर आयोजित किया जाएगा।



पर पूर्ण कर ली जाएं तथा आमजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सहयोग शिविर एवं प्रखंड सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर का उद्देश्य सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं को आमजन तक पहुंचाना तथा उनकी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान करना है। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी

विभाग अपने-अपने कर्मियों एवं पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करें तथा शिविर संचालन से संबंधित आदेश तत्काल जारी किए जाएं। जिलास्तरीय कंट्रोल रूम के माध्यम से शिविरों की लगातार निगरानी की जाएगी तथा कर्मियों की उपस्थिति एवं कार्यों की समीक्षा की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते

हुए शिविर स्थलों पर पेयजल, छायादार प्रतीक्षालय, बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, चिकित्सा सहायता तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूर्व में प्राप्त लंबित आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निष्पादन शीघ्र सुनिश्चित किया जाए ताकि शिविरों का उद्देश्य पूरी तरह सफल हो सके।



एक नजर

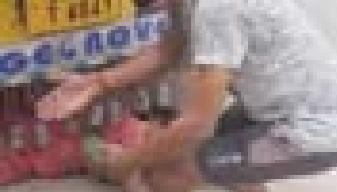
सोमवती अमावस्या पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, महिलाओं ने की पूजा-अर्चना

नवप्रदेश/सूर्यपुरा (रोहतास)। प्रखंड क्षेत्र में सोमवार को सोमवती अमावस्या श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई। विभिन्न मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर महिलाओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। सूर्यपुरा स्थित सूर्य मंदिर तालाब के पास बड़ी संख्या में महिलाओं ने पीपल वृक्ष की परिक्रमा कर पूजा की। इस दौरान पुरोहितों द्वारा सोमवती अमावस्या की कथा का वाचन किया गया, जिसे श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक सुना। पुरोहित पंडित मृत्युंजय पाण्डेय ने बताया कि सोमवती अमावस्या का विशेष धार्मिक महत्व है। इस दिन पीपल वृक्ष की पूजा और परिक्रमा करने से पुण्य की प्राप्ति होती है तथा परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही लगी रही और महिलाओं ने व्रत रखकर पूजा-अर्चना की। पूरे दिन धार्मिक माहौल बना रहा।



छपरा-सीवान रोड पर सड़क दुर्घटना में दंपती को बालू लदे ट्रक ने रौंदा पति की मौत

नवप्रदेश/सारना। जिले में एकमा रसूलपुर छपरा-सीवान एनएच-531 पर रसूलपुर महेन्द्राथ स्टेशन मोड़ के समीप एक सड़क हादसा हो गया। प्रसिद्ध महेन्द्राथधाम से पूजा-अर्चना कर बाइक से लौट रहे दंपती को एक बालू लदे ट्रक ने रौंद डाला। इस दुर्घटना में पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक की पहचान एकमा नगर पंचायत के हंसराजपुर गांव निवासी पप्पू मांडी के रूप में हुई है, वहीं उनकी घायल पत्नी मुन्नी देवी को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति में पटना रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के अनुसार छपरा की ओर से आ रहा ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर रॉन्ग साइड में चला गया और नाले के किनारे बाइक सवार दंपती को चपेट में ले लिया। हादसे में पप्पू का सिर कुचल जाने से तत्काल मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी ट्रक के नीचे फंस गई, जिन्हें स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला। घटना के बाद चालक भीड़ का फायदा उठाकर भाग निकला। इस घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों ने चालक की गिरफ्तारी को लेकर थाने पर आक्रोश भी जताया।



बिहार पंचायत चुनाव 2026: अक्टूबर-नवंबर में 9 चरणों में मतदान की तैयारी

नवप्रदेश/पटना। बिहार में गांव की सरकार चुनने की तैयारी तेज हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग अक्टूबर-नवंबर 2026 में क्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराने की तैयारी में जुट गया है। मौजूदा मुखिया, सरपंच और अन्य जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल दिसंबर 2026 तक है, इसलिए उससे पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। निर्वाचन आयोग इस बार पंचायत चुनाव 9 चरणों में कराने की तैयारी कर रहा है। आयोग के पास पिछलाहल 32 हजार ईवीएम उपलब्ध हैं, जिनका रोटेशन के आधार पर विभिन्न चरणों में इस्तेमाल किया जाएगा। विशेष मल्टी-पोस्ट ईवीएम में लगे सिक्वोरे डिटेचबल मेमोरी मॉड्यूल (रउव्ट) में प्रत्येक चरण के मतदान का डेटा सुरक्षित रखा जाएगा।चुनाव 2011 की जनगणना के आधार पर कराए जाएंगे। नई जनगणना के आंकड़े उपलब्ध नहीं होने के कारण वाई से लेकर जिला परिषद तक की सीटों का आरक्षण 2011 की आबादी के अनुसार तय होगा। अगस्त के अंतिम सप्ताह या सितंबर के पहले पखवाड़े में चुनाव की अधिसूचना जारी होने की संभावना है। इस बार आरक्षण रोस्टर में बड़े बदलाव की तैयारी है।



8 लाख रुपये से अधिक आय वाले परिवारों को नहीं मिलेगा लाभ, बोले सम्राट चौधरी!

नवप्रदेश/पटना: बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने ओबीसी आरक्षण को लेकर बड़ा बयान दिया है, जिसके बाद राज्य की राजनीति में नई चर्चा शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के ऐसे परिवार, जिनकी वार्षिक आय 8 लाख रुपये से अधिक है, उन्हें



आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। यह व्यवस्था क्रीमी लेयर के प्रावधान के तहत प्रभावी रूप से लागू की जाएगी।8 लाख रुपये आय सीमा पर लागू होगा नियम मुख्यमंत्री ने कहा कि ओबीसी वर्ग के जिन परिवारों की वार्षिक आय 8 लाख रुपये से कम है, उन्हें सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण का पूरा लाभ मिलता रहेगा। वहीं, निर्धारित सीमा से अधिक आय वाले परिवारों को इस सुविधा से बाहर रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आगे बढ़ाना है। इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि इसका लाभ वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे।क्रीमी लेयर व्यवस्था को प्रभावी बनाने की तैयारी सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार सरकार ओबीसी वर्ग में क्रीमी लेयर व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में काम कर रही है। उनके अनुसार, जो परिवार आर्थिक रूप से सक्षम हो चुके हैं, उन्हें आरक्षण का लाभ छोड़कर समाज के कमजोर तबकों को आगे बढ़ाने में सहयोग करना चाहिए।उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य सभी वर्गों को सामान अवसर प्रदान करना है, न कि पहले से सक्षम लोगों को अतिरिक्त लाभ देना। आर्थिक आधार को भी मिला रही शायमिकता मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान आरक्षण व्यवस्था में केवल जातीय आधार ही नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिति को भी महत्व दिया जा रहा है। इसी कारण ओबीसी वर्ग के लिए क्रीमी लेयर की आय सीमा निर्धारित की गई है।

मोहर्रम पर्व को लेकर रोहतास थाना परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न

नवप्रदेश/अकबरपुर (रोहतास)। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर रोहतास थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पर्व के सफल आयोजन को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा बैठक बुलाई गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष ललन कुमार तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी जयकिशेन कुमार ने संयुक्त रूप से की। बैठक में विभिन्न पंचायतों के जनप्रतिनिधि, लाइसेंसधारी कर्बल कमेटियों के सदस्य, ताजिया कमेटियों के प्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान अधिकारियों ने मोहर्रम जुलूस के रूट चार्ट की जानकारी ली तथा सभी कमेटियों को निर्धारित नियमों का पालन करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सभी कर्बला एवं ताजिया कमेटियों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। बिना लाइसेंस किसी भी प्रकार का जुलूस निकालने की अनुमति नहीं होगी।



पूर्व सांसद रामअवधेश की जयंती की तैयारी तेज

नवप्रदेश/भोजपुर। आराबोले पचासी अधिकार मंच भोजपुर आरा के बैनर तले तैयारी समिति की बैठक हुई, नंद किशोर सिंह वरीय नेता के आवास पर किया गया, उपस्थित तैयारी समिति के सदस्यों द्वारा बताया गया कि आज की केन्द्रीय तैयारी समिति,बोल पचासी अधिकार मंच दिवंगत राम अवधेश सिंह पूर्व सांसद, के 89 वी जयन्ती मनाया जाएगा, स्थान नारायण काम्लेस्वरे स्टेट बैंक जीरो मा ईल आरा, समय 11 बजे कार्यक्रम के उद्घाटन देवेन्द्र प्रसाद यादव पूर्व केंद्रीय मंत्री ब्रजल सरकार,के द्वारा, किया जाएगा, विशिष्ट अतिथि खाट्टर अरुण,एम. बी.बी.एस विक्रम गंज. हगे, उपस्थित सदस्यों ने कहा कि राम अवधेश सिंह का नारा था कि 85 ٪का अधिकार पूर्ण रूप से अमी भी प्राप्त नहीं है, आरक्षण, न्यायपालिका में 85% का अधिकार, अन्य सुविधाएं अभी भी उपलब्ध नहीं है, इसे आज जरूरत है, अधिकार के लिए आज 85% को आगे बढ़ाना होगा।



संक्षिप्त समाचार

जेलेंस्की से सर्वोच्च सम्मान वापस ले सकता है पोलैंड

वारसा,

पोलैंड के राष्ट्रपति कारोल नावोरोत्स्की ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से उनके सर्वोच्च पोलिश सम्मान को वापस लेने का संकेत दिया है। यह कदम जेलेंस्की द्वारा यूक्रेनियन इंसर्जेंट आर्मी (यूपीए) को दिए गए सम्मान के विरोध में उठाया जा रहा है, जिस पर पोलैंड द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हजारों पोलिश नागरिकों की हत्या का आरोप लगाता है। वारसा ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि उनकी मांग पर कोई जवाब नहीं मिलता है, तब जेलेंस्की को मिला सम्मान भी वापस ले लिया जाएगा। विवाद तब गहराया जब जेलेंस्की ने एक विशेष कमांडो यूनिट का नाम यूपीए के नायकों के नाम पर रखा। पोलैंड का दावा है कि यूपीए, जो ऑर्गेनाइजेशन ऑफ यूक्रेनियन नेशनलिस्ट्स (ओयूएन) की सैन्य शाखा थी, ने जातीय रूप से एकरूप यूक्रेनी राष्ट्र की विचारधारा को बढ़ावा दिया और पोलिश नागरिकों के खिलाफ हिंसक अभियान चलाए। पोलिश अधिकारियों के अनुसार, यूपीए ने वर्तमान पश्चिमी यूक्रेन क्षेत्र में लगभग एक लाख पोलिश नागरिकों की हत्या की, जिसे पोलैंड जनसंहार मानता है।

रिपोर्टों के मुताबिक, राष्ट्रपति नावोरोत्स्की ने 2023 में जेलेंस्की को दिए गए ऑर्डर ऑफ द व्हाइट ईगल - जो पोलैंड का सर्वोच्च नागि्क सम्मान है - को वापस लेने की पहल का समर्थन किया है। जहां यूक्रेन यूपीए और अन्य राष्ट्रवादी संगठनों को स्वतंत्रता सेनानी के रूप में देखता है, वहीं पोलैंड इन्हें पोलिश नागरिकों के नरसंहार से जोड़कर देखता है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है।

गर्भवती के खून की जांच से 2500 जेनेटिक बीमारियों की पहचान संभव



लंदन,

ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी नई और सुरक्षित तकनीक विकसित की है, जिसकी मदद से गर्भवती महिला के खून की जांच कर गर्भ में पल रहे शिशु में 2500 से अधिक आनुवंशिक (जेनेटिक) बीमारियों का पता लगाया जा सकेगा। इस तकनीक में मां के रक्त में मौजूद भ्रूण के डीएनए अंशों का विश्लेषण किया जाता है, जिससे बच्चे के जीन में मौजूद संभावित गड़बड़ियों की पहचान संभव होती है। विशेषज्ञों के अनुसार यह प्रक्रिया वर्तमान में प्रचलित एमनियोसेंटेसिस और सीवीएफ जैसी जांचों की तुलना में अधिक सुरक्षित है, क्योंकि इसमें गर्भाशय से नमूना लेने की आवश्यकता नहीं पड़ती। शुरूआती अध्ययनों में इसकी सटीकता 95 प्रतिशत से अधिक पाई गई है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस तकनीक से माता-पिता और डॉक्टरों को समय रहते बेहतर उपचार एवं देखभाल की योजना बनाने में मदद मिलेगी। हालांकि व्यापक उपयोग से पहले इस पर और शोध किया जाना बाकी है।

पाक में आबादी वाले इलाके में सड़क पर गिरा विमान, दो पायलटों की मौत

इस्लामाबाद,

खैबर पख्तूनख्वा के मरदान जिले में रविवार को एक सैन्य प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा कटलंग रोड के पास जाबर नहर क्षेत्र में हुआ, जहां विमान गिरते ही आग लग गई। यह हादसा सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। विमान के क्रैश होने के बाद धुआं और आग की लपटें देखी गईं। फुटेज में नजर आ रहा है कि रोड पर गाड़ियां गुजर रही हैं। जब दो बाइक सवार गुजर रहे थे, तभी यह जेट सीधे आकर रोड पर गिरा और देखते ही रोड के बीच में आग की रेखा बन गई। विमान में सवार दोनों पायलटों की मौत हो गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहत एवं बचाव दल और सुरक्षा एजेंसियां घटनास्थल पर पहुंचीं। पाकिस्तानी अधिकारियों ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। इस हादसे के बाद मौके पर लोग जमा हो गए। बाइक सवार लोगों पता नहीं है, लेकिन बाद में दोनों गाड़ियां सड़क पर ही पड़ी नजर आईं। यह हादसा ऐसे समय हुआ है जब पाकिस्तान के सैन्य विमानों की सुरक्षा पर पहले से सवाल उठ रहे हैं। पिछले एक महीने के भीतर यह पांचवीं बड़ी दुर्घटना है। सबसे बड़ा झटका 10 जून को लगा था, जब पाकिस्तान आर्मी एंविेशन का एमआई-17 हेलिकॉप्टर पीओके में टेकऑफ के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उस हादसे में 22 सैन्यकर्मियों की मौत हुई थी। इससे पहले 20 मई को मियांवाली के पास पाकिस्तान एयर फोर्स का एफटी-7पीजी ट्रेनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। एक दिन पहले 19 मई को कामरा के पास जेएफ-17 थंडर लड़ाकू विमान भी ट्रेनिंग के दौरान क्रैश हो गया था। दोनों मामलों में पायलटों ने इजेक्ट कर जान बचा ली थी। जनवरी से जून 2026 के बीच पाकिस्तान को कम से कम पांच बड़े हवाई हादसे सामने आ चुके हैं। ज्यादातर मामलों में शुरूआती वजह तकनीकी खराबी बताई गई है, लेकिन लगातार हो रही दुर्घटनाओं ने पाकिस्तान के एयरक्राफ्ट्स के रखरखा की कमी को दिखाया है।

पीओके में प्रदर्शन से हिली पाक सरकार, सेना घरों में घुस कर लोगों को जबरन उठा रही करांची,

पाकिस्तान के कब्जे वाले पीओके में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के प्रमुख नेता शौकत नवाज मीर ने छिपे हुए ठिकाने से एक ऑडियो मैसेज जारी किया है। इसमें उन्होंने पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा एजेंसियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मीर का दावा है कि आंदोलन को कुचलने के लिए पूरे इलाके में दमन का बड़ा अभियान चलाया जा रहा है।

शौकत नवाज मीर ने स्थानीय लोगों, विदेशों में रह रहे कश्मीरी समुदाय और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं से मदद की अपील की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान का सुरक्षा ढांचा और सैन्य प्रतिष्ठान आंदोलन को खत्म करने के लिए संरचनात्मक आतंक और व्यापक हिंसा का सहारा ले रहा है। मीर के मुताबिक सुरक्षा एजेंसियां जेएएससी की कार कमेटी के सदस्यों के साथ-साथ उन परिवारों को भी निशाना बना रही हैं, जिन्होंने आंदोलन को आर्थिक या सार्वजनिक समर्थन दिया है।

उन्होंने दावा किया कि रात के अंधेरे में घरों पर छापे मारे जा रहे हैं, संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जा रहा है और महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है।

ईरान ने 500 किलो बम ग्रेड यूरेनियम छिपाया, प्रवेश द्वारों पर बिछाई बारूदी सुरंगें

वाशिंगटन,

अमेरिकी खुफिया विभाग से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि ईरान ने हाल के हफ्तों में अपने बम बनाने योग्य यूरेनियम के विशाल भंडार को पूरी तरह से सील करने के लिए आक्रामक कदम उठाए हैं। ईरान ने जानबूझकर उन भूमिगत सुरंगों को ढहा दिया है जहां यह यूरेनियम रखा था। उनके प्रवेश द्वारों पर बारूदी सुरंगें बिछा दी हैं। ईरान ने यह कदम तब उठाया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी सेना को इस यूरेनियम को जब्त करने का आदेश देने की अटकलें तेज हो गई थीं। ईरान की इस सैन्य घेराबंदी ने अब अमेरिका और ईरान के बीच चल रही परमाणु वाताओं को एक बेहद पेचीदा मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ महीनों से दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से संकेत दिए थे कि अमेरिकी सेना ईरान के परमाणु ठिकानों पर का-

दुबई में सालभर रहती है गर्मी, रात-दिन चलते हैं एसी, हजारों में आता है बिजली बिल



रियाद,

दुबई का नाम सुनते ही दिमाग में ऊंची-ऊंची इमारतें, लम्जरी ला-इफस्टाइल और भीषण गर्मी की तस्वीर सामने आने लगती है। गर्मियों में यहां तापमान 45 से 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। ऐसे मौसम में एयर कंडीशनर कोई सुविधा नहीं, बल्कि जरूरत बन जाता है। यही वजह है कि दुबई में घरों, ऑफिसों, मॉल और होटलों में करीब 24 घंटे एसी चलते हैं। ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल आता है कि जब एसी दिन-रात चलते हैं तो वहां बिजली का बिल कितना आता होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत के कई हिस्सों में लोग गर्मियों के कुछ महीनों में ही एसी चलाने हैं, लेकिन दुबई में हालात अलग हैं। यहां साल के ज्यादातर मौसम काफी गर्म रहता है। मई से सितंबर तक की गर्मी इतनी ज्यादा होती है कि बिना एसी के घर के अंदर रहना भी मुश्किल हो सकता है। इसी कारण ज्यादातर घरों में एसी चलते रहते हैं। कई आधुनिक इमारतों में तो सेंट्रल कूलिंग सिस्टम लगा है, जो पूरी बिल्डिंग को ठंडा रखता है।

दुबई में रहने वाले एक शख्स ने बताया कि बिजली का बिल हर व्यक्ति के लिए एक जैसा नहीं होता। यह कई बातों पर निर्भर करता है, जैसे- घर का आकार कितना बड़ा है, परिवार में कितने लोग रहते हैं, एएससी का इस्तेमाल कितना होता है, सेंट्रल एसी है या स्प्लिट एएससी। यही वजह है कि किसी का बिल कम तो किसी का ज्यादा आता है। वह बताते हैं कि दुबई में रहने वाले एक छोटे परिवार का मासिक बिजली बिल आमतौर पर 300 से 800 दिरहम के बीच आता है। भारतीय रुपए में देखें तो यह लगभग 7,000 से 18,000 रुपए के आसपास बैठता है। वहीं, बड़े विला या लक्जरी घरों में रहने वाले लोगों का बिल 1,000 से 3,000 दिरहम यानी 20,000 से लेकर 70,000 रुपए या उससे ज्यादा तक पहुंच सकता है। दुबई में बिजली खपत का सबसे बड़ा कारण एयर कंडीशनिंग ही है। कई रिपोर्टों के मुताबिक गर्मियों में घर की कुल बिजली खपत का 60 से 70 फीसदी हिस्सा केवल एसी से जुड़ा होता है यानी अगर कोई व्यक्ति एसी का इस्तेमाल कम कर दे या तापमान थोड़ा बढ़ाकर रखे, तो उसके बिजली बिल में अच्छी-खासी बचत हो सकती है।

दुबई में औसत आय कई देशों की तुलना में ज्यादा है। इसके अलावा कई कंपनियां अपने कर्मचारियों को हाउसिंग अलाउंस और अन्य सुविधाएं भी देती हैं। कई रिहायशी इमारतों में कई एडवांस फैसिलिटी होती है, जिससे एनर्जी की बचत होती है।

पीओके के आंदोलन से घबराई पाक सरकार, हाथ जोड़ते दिखे बिलावल

इस्लामाबाद,

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मानवाधिकारों की ध्जजियां उड़ रही हैं और वहां के हालात दिनों-दिन बदतर होते जा रहे हैं।

एक तरफ जहां पाकिस्तानी सरकार और सेना मिलकर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों का बर्बरता से दमन करने और उनकी आवाज दबाने में जुटे हैं, वहीं दूसरी तरफ वहां के राजनेता इस गंभीर संकट पर केवल घड़ियाली आसू बहाकर जनता की सहानुभूति बटोरने का प्रयास कर रहे हैं। डर के बीच, पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने रविवार को प्रदर्शनकारियों से इस



रंवाई करके इस यूरेनियम भंडार को अपने कब्जे में ले सकती है। अमेरिका का मुख्य उद्देश्य इस सामग्री को जब्त करना है ताकि ईरान परमाणु हथियार न बना सके। ईरान द्वारा स्टेट ऑफ होर्मुज को बंद किए जाने के बाद से क्षेत्र में युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है, जिसे फिर से खुलवाना ट्रंप की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, लेकिन ट्रंप की इसी सार्वजनिक बयानबाजी

ने ईरान को सतर्क कर दिया।

जानकारों का मानना है कि ट्रंप द्वारा संभावित सैन्य हमले की बात खुलकर करने की वजह से ही ईरान को अपने इस सबसे कीमती परमाणु एसेट को जमीन के नीचे और गहरे दफनाने की प्रेरणा मिली। ईरान की इस नई किलेबंदी ने ट्रंप प्रशासन के उस प्रस्तावित समझौते पर पानी फेर दिया है, जिसके तहत तेहरान को अपना सारा समृद्ध यूरेनियम अमेरिका को सतर्क कर दिया।

रका को सौंपना था। अमेरिकी योजना के मुताबिक करीब आधा टन से ज्यादा बम ग्रेड यूरेनियम को ईरान के ठिकानों पर ही नष्ट किया जाना था। फिर उसके अवशेषों को देश से बाहर ले जाना था। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने बताया था कि दोनों देश इस सौदे के बेहद करीब पहुंच चुके हैं, लेकिन अब इन सुरंगों के ढहाए जाने और वहां बारूदी सुरंगें बिछाए

अमेरिका-ईरान के शांति समझौते की घोषणा का यूएन महासचिव ने किया स्वागत

जेनेवा,

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अमेरिका और ईरान एक शांति समझौते की घोषणा का स्वागत किया है। इस समझौते में तत्काल और स्थायी युद्धविराम, होर्मुज को फिर से खोलने और आगे की बातचीत की रूपरेखा तैयार करने की व्यवस्था है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने दी है। प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि यह संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में अहम कदम है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बयान में कहा गया है कि संयुक्त



राष्ट्र प्रमुख ने शांति समझौते तक ले जाने वाली बातचीत का समर्थन करने में पाकिस्तान, कतर, मिस्र, सऊदी अरब, तुर्की देशों की रचनात्मक भूमिका की तारीफ की।

अमेरिका में जो दवा 95,000 की थी, वो भारत से मात्र 2,377 रु. में मंगवाई

वॉशिंगटन

अमेरिका की महंगी स्वास्थ्य व्यवस्था एक बार फिर दुनिया भर में चर्चा और वि-वादों के केंद्र में आ गई है।

एक अमेरिकी महिला ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर दावा किया है कि जिस दवा के लिए उसे अमेरिका में 1000 डॉलर यानी लगभग 95,000 रुपये अपनी जेब से खर्च करने पड़ रहे थे, वही दवा भारत से सीधे मंगवाने पर उसे शिपिंग चार्ज सहित मात्र 25 डॉलर (करीब 2,377 रुपये) में मिल गई। इस चौंकाने वाले वाक्ये के बाद महिला ने अमेरिकी स्वास्थ्य प्रणाली को खुलकर एक बड़ा हस्तकैमहऔर ठगी करार दिया है। सोशल मीडिया पर विक्टोरिया नाम

को इस महिला का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह अमेरिकी हेल्थकेयर सिस्टम की विसंगतियों पर गंभीर सवाल उठा रही है।

वीडियो में विक्टोरिया ने बताया कि उसे एक विशेष दवा के छह छोटे टैबलेट्स की जरूरत थी। चूंकि उसकी अमेरिकी इंश्योरेंस कंपनी इस दवा का खर्च उठाने से मना कर रही थी, इसलिए उसे इस्-के लिए 1000 डॉलर की भारी-भरकम राशि खुद चुकानी पड़ रही थी। इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बजाय जब उसने अन्य विकल्पों की तलाश की, तो उसके डॉक्टर ने ही उसे एक अनोखी सलाह दी। डॉक्टर ने कहा कि वह अपना प्रिस्क्रिप्शन एक कनाडाई फार्मेसी को भेजे, जो सीधे भारत के दवा

जाने से यह काम असंभव और जानलेवा हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अब यदि दोनों देशों के बीच कोई लिखित समझौता हो भी जाता है, तो भी इस खतरनाक सामग्री को जमीन के नीचे से सु-रक्षित बाहर निकालने का जोखिम भरा काम कौन और कैसे करेगा, यह सबसे बड़ा सवाल है। अंतरराष्ट्रीय खुफिया एजेंसियों का मानना है कि ईरान के इस अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम का अधिकांश हिस्सा मध्य ईरान में स्थित इस्फहान परमाणु परिसर की भूमिगत सुरंगों में दबा हुआ है, जबकि कुछ हिस्सा अन्य गुप्त ठिकानों पर है। मई के मध्य में ही अमेरिकी सेना इस परमाणु सामग्री को जब्तन जब्त करने के लिए एक बड़ा सैन्य ऑपरेशन शुरू करने की पूरी तरह तैयार थी। ऐन वक्त पर इस ऑपरेशन को हाई रिस्क वाला मानकर टाल दिया गया। ट्रंप ने खुद एक इंटरव्यू में माना था कि इस यू-रेनियम को बलपूर्वक निकालना बेहद खतरनाक है। हालांकि, उन्होंने दावा किया था कि अमेरिकी

खुफिया तंत्र की नजरों से बचकर ईरानी अधिकारी भी इस दबे हुए मलबे से यूरेनियम नहीं निकाल सकते। इस यूरेनियम को बाहर निकालने और नष्ट करने का काम कितना जटिल है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसके लिए अमेरिका को टेनेसी स्थित ओक रिज नेशनल लेबोरेटरी द्वारा तैयार की गई एक विशेष मोबाइल यूरेनियम सुविधा को ईरान में तैनात करना होगा। हाल ही में ट्रंप के करीबी वाताकारों ने इस प्रयोगशाला का दौरा भी किया था, लेकिन अब जब सुरंगें मलबे और बारूदी सुरंगों से पटी पड़ी हैं, तो दुनिया के सबसे बड़े परमाणु विशेषज्ञों को भी भारी उत्खनन उपकरणों और बम निरोधक दस्तों के साथ हफ्तों तक जान हथेली पर रखकर काम करना होगा। ट्रंप ने पहले कहा था कि इस काम में कम से कम दो हफ्ते लगेंगे, लेकिन वर्तमान जमीनी हकीकत को देखते हुए अब इस तकनीकी मिशन को पूरा करने में महीनों का समय लग सकता है।

अमेरिका में जो दवा 95,000 की थी, वो भारत से मात्र 2,377 रु. में मंगवाई

के तनाव ने ग्लोबल एनर्जी मार्केट को हिला दिया था और एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध का डर पैदा कर दिया था। ट्रंप ने एक पोस्ट में कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के साथ समझौता अब पूरा हो गया है। सभी को बधाई! यह घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब दुनिया की नजर उस संकरे जलमार्ग पर टिकी हैं, जहां से दुनिया का काफी सारा समुद्री तेल व्यापार होता है। होर्मुज महीनों से वाशिंगटन और तेहरान के बीच तनाव का केंद्र रहा है और शिपिंग में रुकावटों के कारण ग्लोबल एनर्जी की कीमतों में उतार-चढ़ाव आया है।

अमेरिका में जो दवा 95,000 की थी, वो भारत से मात्र 2,377 रु. में मंगवाई

निमार्ताओं से संपर्क कर दवाएं मंगवाती है। महिला ने डॉक्टर की सलाह मानते हुए ऐसा ही किया। उसे लगा था कि अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के कारण शायद 100 या 200 डॉलर खर्च होंगे, लेकिन असली कीमत जानकर वह दंग रह गई। कनाडाई फार्मेसी ने उसे बताया कि दवा की कुल लागत सिर्फ 25 डॉलर आएगी, जिसमें से दवा की वास्तविक कीमत मात्र 10 डॉलर (लागभग 950 रुपये) थी और बाकी के 15 डॉलर अंतरराष्ट्रीय शिपिंग चार्ज के थे। भारत की दवा निमार्ता कंपनी से सीधे उसके घर तक सुरक्षित रूप से दवा डिलीवर कर दी गई। इसके बाद महिला ने गुस्से में अमेरिकी सिस्टम पर निशाना साधते हुए कहा कि हमारा हेल्थकेयर सिस्टम पूरी तरह मजाक

बन चुका है। उसने सवाल उठाया कि जो दवा भारत से 10 डॉलर में मिल सकती है, उसके लिए अमेरिका में 1000 डॉलर किस बात के वसूले जा रहे थे और यह अतिरिक्त पैसा आखिर किसकी जेब में जा रहा था?वीडियो वायरल होने के बाद हुई आलोचना इस वीडियो के वायरल होने के बाद वैश्विक स्तर पर अमेरिकी स्वास्थ्य व्यवस्था की कड़ी आलोचना हो रही है, जबकि भारत के सुदृढ़ और किफायती दवा उद्योग (फार्मास्यूटिकल सेक्टर) की जमकर तारीफ की जा रही है। सोशल मीडिया पर कई अन्य विदेशी यूजर्स ने भी अपने अनुभव साझा किए। एक यूजर ने लिखा कि भारत में यह दवा स्थानीय स्तर पर शायद 100 रुपये (लागभग 1.20 डॉलर) में ही मिल जाती है।